RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

हिन्दी मासिक जोधपुर

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 15 अंक :186 29 दिसबंर, 2020 मूल्य : 30/-प्रति

HAPPY NEW YEAR

2021

सूर्य संवेदना पुष्पैः, दीप्ति कारुण्यगंधने।
लब्ध्वा शुभम् नववर्षअस्मिन्
कुर्यात्सर्वस्य मंगलम्।।

जिस तरह सूर्य प्रकाश देता है,
संवेदना करुणा को जन्म देती है,
पुष्प सदैव महकता रहता है, उसी तरह
यह वर्ष २०२१ आपके लिए हर दिन,
हर पल के लिए मंगलमय हो।
जीवन पथ पर नव वर्ष २०२१ मान-सम्मान, यश,
कीर्ति, सुख शांति के साथ उन्नतिशील वर्ष हो।
यह वर्ष आपके जीवन मे आपार सुख,
समृद्धि और संपन्नता लेकर आये
इसी मंगलकामनाओ के साथ

नववर्ष २०२१

की हार्दिक बधाई व शुभकामनायें

श्रद्धांजली

समाज गौरव माली सैनी समाज कर्नाटक के अध्यक्ष

श्रीमान हुक्मीचंद भाटी

के निधन पर हम सभी दिवंगत आत्मा को विनम्र श्रद्धांजलि एवं परिवार जन के प्रति संवेदना व्यक्त करते है.
ईश्वर भाटी जी को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करने की कृपा करें।
हरि इच्छा प्रबल आदरणीय भाटी साहब बहुत ही नेक ईमानदार और समाज के हर वर्ग के आदमी को साथ लेकर चलते थे इसके लिए हमेशा माली सैनी समाज कर्नाटका के अंदर आपका नाम आदर पूर्वक लिया जाएगा।

समाज गौरव बिहार सरकार के पूर्व मंत्री, बोकारो पूर्व विधायक एवं झारखंड कुशवाहा महासभा के संरक्षक

माननीय श्रीमान अकलूराम महतो

के निधन से संपूर्ण झारखंड, बिहार, यूपी सहित समस्त भारत के चाहने वाले लोग मर्माहत है।
ईश्वर उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दे व परिजनों को यह असीम दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री

माननीय श्रीमान सतीश प्रसाद कुशवाहा

के निधन पर हम सभी दिवंगत आत्मा को विनम्र श्रद्धांजलि एवं परिवार जन के प्रति संवेदना व्यक्त करते है.
परमपिता परमेश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। साथ ही परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

रामलाल की अयोध्या में बलिदान देने वाले कारसेवक और श्रीराम भक्त अमर शहीद

श्री सेठाराम परिहार मथानियां

की पुण्यतिथि पर कोटि कोटि नमन। हमें आप पर गर्व है।
आपने अपना जीवन सनातन धर्म और प्रभु श्रीराम के लिए समर्पित कर अमर किया है।

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

Postal Regd No. Jodhpur/463/2017-19

माली सैनी सन्देश

• वर्ष : 15 • अंक 185-186 • 29 दिसम्बर (संयुक्तांक), 2020 • • मूल्य : 30/-प्रति •

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय माननीय संरक्षक सदस्यगण

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम जोधपुर)

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला
(समाजसेवी / भामाशाह)

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी
(उद्योगपति / समाजसेवी)

श्रीमान नरपतसिंह सांखला
(बिल्डर्स / समाजसेवी)

श्रीमान नेमीचंद गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान पुखराज सांखला
(अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

श्रीमान ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, जोधपुर)

श्रीमान प्रदीप कच्छवाहा
(उद्योगपति)

श्रीमान भगवानसिंह गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान युधिष्ठर सिंह परिहार
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान सुरेश सैनी
(समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) सुरेन्द्र देवड़ा
(हृदय रोग विशेषज्ञ, एम्स)

श्रीमान संपतसिंह कच्छवाहा
(शिक्षाविद / समाजसेवी)

श्रीमान इंद्रसिंह सांखला
(समाजसेवी)

श्रीमान नरेश सांखला
(कॉन्ट्रेक्टर / समाजसेवी)

श्रीमान प्रवीण सिंह परिहार
(बिल्डर / उद्यागपति)

श्रीमान रामेश्वरलाल कच्छवाहा
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) पवन परिहार
(शिशु रोग विशेषज्ञ, पावटा स्टेलाईट)

श्रीमान प्रीतम गहलोत
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान आर.पी. सिंह परिहार
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान बंशीलाल सैनी
(व्यवसायी/समाजसेवी)

सी.ए. श्रीमान महेश गहलोत
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान आदित्य सिंह गहलोत
(युवा राजनेता/समाजसेवी)

श्रीमान चन्द्रसिंह देवड़ा
(समाजसेवी/उद्योगपति)

संपादक की कलम से...

जाति समाज से करें प्यार, सुनो भाई जीवणा दिन चार, जो नहीं करता समाज से प्यार, तो समझो उसका जीवन है बेकार। समाज सेवा है बड़ी लाभकारी, मिलकर कदम बढ़ाओ, नर हो या नारी हमारे समाज का सुखी हो हर परिवार विनती करता है माली सैनी संदेश परिवार बारम्बार।।

हमारे जीवन की महानता इसी में है कि सब मिलकर श्रेष्ठ समाज का निर्माण करें। बीते समय की, त्रुटियों की चर्चा कोई लाभादायक नहीं है। अब तो हमारी होशियारी और समझदारी इमी में है कि वर्तमान एवं भविष्य की सामाजिक प्रगति तथा सुव्यवस्था पर ध्यान दें एवं सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं।

सर्वप्रथम समाज के प्रति हीन भावना को समाप्त करें। हम माली सैनी है तो श्रेष्ठ है, हमें फिर पश्चाताप किस बात का? क्या सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य, भगवान बुद्व, महाराज शूरसेन, महान संत अजनेश्वर जी महाराज, संत शिरोमणि लिखमोजी महाराज, सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योति बा फूले, भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्री बाई फूले जैसे विश्व प्रसिद्ध मानव धर्म के हितेषी किसी से कम थे। हमारे जाति शब्द उच्चारण एवं संस्कृति में सेवा भाव, सरल स्वभाव, स्वावलम्बन, मानवता, प्रभु भक्ति और कल्याणकारी नीति समाहित है। इन्हीं सदगुणों को लेकर हमारा समाज के सभी वर्ग हमसे कई अपेक्षाए रखते है, हम मर्यादाओं का ध्यान रखते हुए और महात्मा फूले की शिक्षा के अनुरूप व्यवहारिक जीवन से समजा का चहुँमुखी विकास करें। सामाजिक समरसता की भावना से सहयोग, भाईचारा, सुख शांति और सज्जनता का मार्ग अपनाएँ।

समाज में नासमझ, अशिक्षित, अहंकारी, झूठे लोग समाज के प्रति उपेक्षा की भावनाओं से ग्रस्त है। मतलब सिद्ध करना और लोगों को गुमराह करके समाज की एकता में फूट डालना ही उपेक्षावृति कहलाती है। उपेक्षावृति के लोगों में नीति, धर्म और सदाचार के गुणों का आभाव होता है। यही वजह है कि हम समाजोत्थान का सपना पूरा नहीं कर पा रहे हैं। हमारे समाज की अपेक्षाएं है कि दूरदर्शिता एवं पारदर्शिता, परस्पर विश्वास और ईमानदारी से समस्याओं का निदान खोजें शिक्षा का प्रसार हो, व्यसायिक प्रगति हो, सामाजिक कुरीतियाँ मिटे और हर परिवार सुख-शांति का जीवन निर्वाह करें। लेकिन उपेक्षा की नीति रखने वाले समाज सेवी टाँग खिचाई में पीछे रहते। परिणाम यह होता है कि सब आशाएँ निराशा में बदल जाती है।

समाज के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए और भावी पीढ़ी के सुख के लिए निर्धारित अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए हमें खरा उतरना चाहिए। विडम्बना यह है कि आज सज्जनों और सेवाभावी लोगों का उपहास किया जाता है और दुर्जनों को शाबासी दी जाती है तथा उन्हें ही बुद्धिमान माना जाता है। देखा जाता है कि उपेक्षावृति के कई बंधु स्वयं का समाज का कर्त्ता धर्त्ता बतलाते पर स्वयं के स्वार्थ सिद्ध के अलावा कुछ नहीं करते है। यही लोगों को दोहरी नीति समाज को खाए जा रही है। उपेक्षा वृति का त्याग करके सभी लोग समाज की रीति निति एवं हमारे पूर्वजों के आदर्शों का पालन करं तो सामाजिक जीवन का आनंद ही आ जाए। हम सामाजिक प्राणी है, समाज की मर्यादित व्यवहार जीवन शैली के अनुसार चलें। कुरीतियों का त्याग करें, बुरे आचरण का त्याग करें ताकि समाज की पवित्रता में चार चाँद लग जाए। सद्वृतियों की उपेक्षा करने का अर्थ है अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारना। दरअसल सर्वे एवं सम्पर्क इस बात को उजागर करते है कि सामाजिक चिंतन के लिए अच्छे लोगों का प्रतिशत कम है। लोग अधिकाश रूप से आर्थिक होड़ में आगे बढ़ने के प्रयास में है। कतिपय समाज सेवी न तो किसी को आगे बढ़ने देते है न ही किसी और को आगे बढ़ते देखना पंसद करते है। खैर जो जैसे भी है हमारे समाज के है हम यही कामना करते है कि प्रभु उनको सद्वबुद्धि प्रदान करें तथा वे समाज की एकता एवं संगठन के लिए सबको साथ लेकर चले। प्रेम और आत्मीयता के साथ परिस्थितियों को समझे, विचारवान बने और सबके कल्याण के लिए कार्य करें।

निष्कर्ष यह है क हमारे मन में सेवा का आधार जितना निःस्वार्थ होगा, उतना ही अधिक समाज के लोगों की आत्म चेतना में निखार आएगा। हमारे अहं को दरकिनार करके परहित की भावना ग्रहण करें। समाज गंगा की पतित पावनी धारा में प्रवेश करके हम अपने आपको स्वच्छ, शीतल और पवित्र करें तथा स्वेच्छा भाव से समाज सेवा करे तथा सभी वर्गों को साथ में लेकर समाज का उत्थान करने का कार्य करें, अन्यथा समाज के भीतर कतिपय समाज सेवी बंधुओं के प्रति जो नाराजगी है वो सार्वजनिक होने पर उनके स्वयं के लिए भविष्य कष्टकारी होगा।

यही कटु सत्य भी है।

सामाजिक अपेक्षाओं की नहीं करें उपेक्षा...

मनीष गहलोत
संपादक

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

देषभर में महात्मा ज्योति बा फूले की १३०वीं पुण्यतिथी पर सेवा के आयोजनों के साथ पुश्पाजंलि अर्पित कर दी गई श्रद्वाजंलि

महात्मा ज्योति बा फूले की 130वीं पुण्यतिथि पर देश भर में सामाजिक, राजनैतिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं ने विभिन्न सेवा के आयोजन कर दी श्रद्धाजंलि अर्पित की।

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि महात्मा ज्योतिबा फूले ने गरीबों एवं पिछड़ों के सामाजिक तथा आर्थिक उत्थान के लिये जीवनभर संघर्ष किया। उन्होंने समाज को आगे बढ़ाने के लिये शिक्षा का मूलमंत्र दिया, जिससे कमजोर, वंचित एवं पिछड़े वर्ग के लोग भी विकास की मुख्यधारा से जुड़कर अपनी सहभागिता निभा सकें। महात्मा फूले ने छूआछूत, जातिप्रथा एवं पर्दाप्रथा जैसी कुरीतियों के विरूद्ध संगठित एवं शिक्षित समाज की स्थापना की अभिनव पहल की थी। हम समाज से कुरीतियों को दूर करने एवं अशिक्षा के अंधियारे को मिटाते हुए एक विकसित एवं समृद्वशाली राष्ट्र का निर्माण करने में सहभागिता निभायें। महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले जी की पुण्यतिथि पर सादर नमन करता हूं।

जोधपुर में माली सैनी समाज सेवा संस्थान एवं महात्मा फूले अम्बेडकर मिशन द्वारा महात्मा ज्योति बा फूले पार्क में श्रद्धाजंलि सभा में राज्य सभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, नगर निगम उत्तर महापौर श्रीमती कुंती परिहार एवं दक्षिण महापौर विनिता सेठ सहित सर्व समाज के प्रबुद्वजनों एवं समाज बंधुओं ने महात्मा फूले की प्रतिमा पर माल्यार्पण पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। राज्य सभा सांसद राजेन्द्र गहलोत ने कहा कि महात्मा ज्योति बा फूले ने आज से 200 वर्ष पूर्व धार्मिक पाखण्ड के साथ ही शोषित वर्ग, मजदूरों के लोक कल्याण एवं उत्थान के जो कार्य किए उनके सेवा कार्यों से सीख ले हम आत्मसात करें यहीं महान आत्मा को सच्ची श्रद्वांजलि होगी।

उन्होंने कहा कि महात्मा फूले ने अपना पूरा जीवन सामाजिक जागृति के लिए समर्पित किया यहीं नहीं शिक्षा, ज्ञान सृजन, कौशल निर्माण, नारी समानता, जातीयता, संसाधनों का पुनर्विंतरण, चिकित्सा विज्ञान और अंतरजातीय विवाह जैसे कार्यक्रमों के आधार पर आधुनिक भारत की नींव के लिए कार्य किया। आज हम सभी महान आत्मा को श्रद्वांजलि अर्पित कर उनके बताएं आदर्शों पर प्रतिपल चलने का संकल्प करें। इस अवसर पर नगर निगम महापौर कुंती परिहार ने महात्मा फूले के द्वारा नारी शिक्षा के लिए किए गए कार्यों को याद करते हुए बताया कि उस जमाने में जहां महिला शिक्षा वर्जित थी महात्मा फूले ने न केवल अपनी पत्नी सावित्री बाई को शिक्षित किया उन्हें भारत की प्रथम महिला शिक्षिका बनने का गौरव भी मिला। हम सभी उनकी जीवन को पढकर उनके द्वारा मानव कल्याण के किए कार्यों से सीख ले।

संस्था के अध्यक्ष मनीष गहलोत ने बताया कि सैकड़ों वर्ष पूर्व महात्मा ज्योति बा फूले ने विषम परिस्थितियों में पिछड़ों, दलितों को शिक्षा एवं न्याय दिलाने के लिए संघर्ष किया और अपनी धर्मपत्नी को शिक्षित कर भारत की प्रथम महिला अध्यापिका बनाने का गौरवशाली कार्य किया। महात्मा फूले ने उस जमाने में नारी को शिक्षित करने एवं छूत अछूत मिटाने के लिए शूद्रों अतिशूद्रों के लिए अनेकों ऐसे कार्य किए जो आज भी याद किए जाते है उन्होंने न केवल शिक्षा, विधवा विवाह करवाया, देवदासी प्रथा, नारी मुक्ति जैसे अनेकों अनेक कार्य किए। हम उनके आदर्शों को अपना कर असली मानवता का जीवन जी सकते है।

माली सैनी समाज सेवा संस्थान के सचिव जगदीश देवड़ा ने बताया कि आज महात्मा फूले की 130वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पूर्व भाजपा नेता नरेन्द्र कच्छवाहा, संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा प्रेमचंद सांखला, शिक्षाविद् ब्रजसिंह गहलोत, पूर्व पार्षद अरविंद गहलोत, पार्षद मयंक देवड़ा, पार्षद भैरूसिंह परिहार, पार्षद रणजीत सिंह परिहार, माली संस्थान मंत्री नरेन्द्र परिहार, फूले समता परिषद् के साहिबराम गहलोत, सुमेर स्कूल निदेशक मण्डल के प्रदीप परिहार, फूले अम्बेडकर मिशन चेतन नवल, बी. आर. बंशीवाल दलपत पी., श्रीमती मधु सांखला, रविन्द सहित अनेकों प्रबुद्वजन एवं सामाजिक संस्थाओं के साथ ही राजनेताओं एवं आमजन ने उपस्थित हो महात्मा फूले का श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर फूले अम्बेडकर मिशन एवं माली सैनी समाज सेवा संस्थान द्वारा महात्मा फूले की जीवनी के 5000 मल्टीकलर पपत्रों का वितरण सर्व समाज में किया गया। जिसका विमोचन पूर्व में नगर निगम जोधपुर उत्तर की महापौर कुंती परिहार ने किया था।

इसी प्रकार धोवड़ा में माली समाज के नौहरे में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ जिसमे बच्चो को पाठ्य पुस्तकें वितरित की गई इस दौरान जिला शिक्षा सलाहकार राजेन्द्र सैनी, हिंडोली तहसील सचिव रामदयाल सैनी, पंचायत अध्यक्ष पंकज सुमन, शीला सैनी, ओमप्रकाश, घनश्याम नरेन्द्र सुमन आदि मोजूद थे। जजावर मे मालियो के बरडे पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया तथा गौवंश

को हरा चारा डाला गया इस दौरान पंचायत अध्यक्ष राकेश कुमार सैनी, नरेश कुमार सैनी, लोकेश सैनी, मुकेश सैनी, खुशबू सैनी मौजूद रहे।

शासकीय चिकित्सालय आलोट में महात्मा ज्योतिबा फुले की 130 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर चित्र पर माल्यार्पण कर मरीजो को फल दूध वितरण किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के अतिथि भाजपा नेता उपेंद्र सिंह यादव, पार्षद नागेश खारोल, संजीवनी हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉक्टर दांगी, आदि उपस्थित थे। राष्ट्रीय फूले ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट विनोद माली ने बताया कि महात्मा फूले ने गरीब व दलितों के लिए शिक्षा की क्रांति लाने का कार्य किया। पढ़ने का अधिकार दिलाया एवं सामाजिक समरसता के लिए कार्य किया। इस अवसर पर एयू बैंक आलोट के मैनेजर श्री जायसवाल द्वारा बैंक की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कई समाज सेवी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राजेश प्रजापत ने किया। आभार कमलेश डमरवाल ने व्यक्त किया।

आज महात्मा ज्योतिबा फूले की 130 वी पुण्यतिथि पर मुहाना मंडी जयपुर में हुए पुष्पांजलि का कार्यक्रम महात्मा ज्योतिबा फुले है राष्ट्र समाज सुधारक है मुहाना सब्जी मंडी अधयक्ष राहुल तवंर ने बताया कि मंडी के किसान मजदूर और व्यापारियों द्वारा दी गयी पुष्पांजलि कार्यक्रम सोशल डिस्टेंसिंग और कोरोना गाइड लाइन का रखा गया पूरा ध्यान। मंडी परिसर मे आने वाले व्यक्तियों को मास्क वितरण किया गया। महात्मा फूले के योगदान को भुलाया नही जा सकता है। महात्मा फूले को भारत रत्न से समानित किया जाने की मांग भी केन्द्र सरकार से की गई। इस अवसर पर राजस्थान माली महासभा के अध्यक्ष छुटटन लाल सैनी ने बताया कि महात्मा ज्योतिबा फूले ने किसानो व शोषित वंचित पिछड़े वर्ग को आगे लाने का कार्य किया था उन्होंने महिला शिक्षा पर जोर दिया जब हमारा देश मे कूरूतियो चरम सीमा मे फैली हुयी थी तब महात्मा फूले ने इन अन्धविश्वासों के खिलाफ जमकर आवाज उठायी तथा इन कुरीतियों का विरोध किया। इस अवसर पर वार्ड 91 से पार्षद आशीष परेवा, सागर मावर, सुरेश चौहान, इमरान कुरैशी, इंद सैनी, विक्की मावर, सुरेन्द्र सैनी, रमेश सैनी, जतिन सैनी, रितेश सैनी, प्रधान सैनी, गोविन्द सैनी आदि व्यापारीगण उपस्थित रहे।

टोंक। शिक्षा क्रांति के अग्रदूत, महामानव, दलितों के मसीहा, सत्य शोधक समाज के संस्थापक, एक महान विचारक, समाज सेवी, लेखक, दार्शनिक, तथा क्रांतिकारी कार्यकर्ता महात्मा ज्योतिबा फूले की 130वीं पुण्यतिथि महात्मा ज्योतिबा फूले छात्रावास महादेव वाली टोंक में माली समाज के सभी राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी द्वारा मनाई गई।

महात्मा ज्योतिबा फूले की पुण्यतिथि पर वहां उपस्थित माली (सैनी) समाज के लोगों को महात्मा ज्योतिबा फूले के जीवनी पर एवं उनकी उपलब्धियों के बारे में प्रकाश डालते हुए भाजपा प्रदेश मंत्री अशोक सैनी भादरा ने कहा कि समाज सुधारक एवं सत्यशोधक समाज के संस्थापक महात्मा ज्योतिबा फूले 19वीं सदी के प्रमुख समाज सेवक माने जाते है। ज्योतिबा फूले संविधान के निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के भी गुरु थे। महात्मा ज्योतिबा फूले और माता सावित्री बाई फूले ने मानव समाज में फैली कुरीतियों का विरोध करते हुये जो संघर्ष किया उसे समाज और देश कभी नहीं भूलेगा, आज उन्हीं की बदौलत है जो देश में नारी को शिक्षा का अधिकार और सम्मान मिला है। साथ ही महात्मा ज्योतिबा फूले के द्वारा दलितों और शूद्र के सम्मान के लिए जो संघर्ष किया हैं वो सभी जानते हैं। माली (सैनी) समाज पूर्व जिलाध्यक्ष कमलेश सिंगोदिया ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फूले ने सत्य शोधक समाज नामक संगठन की स्थापना की। सत्य शोधक समाज उस समय के अन्य संगठनो से अपने सिद्धांतो व कार्यक्रमो के कारण भिन्न था। सत्य शोधक समाज पूरे महाराष्ट्र में शीघ्र ही फैल गया, सत्य शोधक समाज के लोगो ने जगह-जगह दलितों और लड़कियों की शिक्षा के लिए स्कूल खोले, छुआ-छूत का विरोध किया और किसानों के हितों की रक्षा के लिए आन्दोलन चलाया। ऐसे महान संत और दलितों के अधिकारों की लड़ाई लडने वाले मसीहा ज्योतिबा फूले को भारत रत्न नहीं दिया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेश मंत्री अशोक सैनी भादरा, माली समाज के पूर्व जिला अध्यक्ष कमलेश सिंगोदिया, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी महात्मा फूले ब्रिगेड व प्रदेश महासचिव ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज द्ध रजि. ऋ पूर्वी राजस्थान रमेश चन्द सैनी रहमानदिया, पार्षद राहुल सैनी, माली समाज युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रामअवतार टांक, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रेणु भाटी, पूर्व टोंक तहसील अध्यक्ष माली समाज मोहन बागड़ी, राष्ट्रीय फूले ब्रिगेड जिला उपाध्यक्ष अजय सांखला, राष्ट्रीय फूले ब्रिगेड जिला प्रवक्ता सुनीता सैनी, गौरव सैनी, हनुमान सैनी, विष्णु सैनी, नवरत्न सैनी, छात्रावास अध्यक्ष रमेश बागड़ी सहित उपस्थित सभी समाज बंधुओं द्वारा दीप प्रजवलित व पुष्प अर्पित कर एवं माला पहनाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गइ। इस अवसर पर छात्रावास परिसर महात्मा ज्योतिबा फूले अमर रहे.., और मां सावित्रीबाई फूले अमर रहे.., के नारों से गुंज उठा। इस दौरान अशोक सैनी भादरा के हाथों पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

झुंझुनूं। राष्ट्रीय सैनी सभा की ओर से रामानुजन संस्थान में शनिवार को महात्मा फूले की 130वीं पुण्यतिथि मनाई गई। मुख्य वक्ता डॉ महेश सैनी थे। फूले विकास संस्थान के अध्यक्ष संजय सिंगोदिया ने कहा कि महाराष्ट्र की तर्ज पर राजस्थान विधान सभा में भी युग पुरूष महात्मा फूले की प्रतिमा की स्थपना की जाएं।

राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायधीश श्री देवेन्द्र कच्छवाहा ने माली सैनी संदेश के नव वर्ष 2021 के कलैण्डर का किया विमोचन

जोधपुर। माली समाज के नव वर्ष 2021 के कैलेण्डर का विमोचन राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस देवेन्द्र कच्छवाहा ने किया उन्होंने पिछले 15 वर्षों से निरंतर प्रकाशित किए जा रहे कैलेण्डर के लिए माली सैनी संदेश पत्रिका के संपादक को बधाई प्रेषित करते हुए मल्टीकलर कलैण्डर में सरकारी धार्मिक छुट्टियों के साथ ही हिन्दुओं के मुख्य त्यौहारों एवं तिथियों के समावेश को प्रकाशन करने पर कलैण्डर की उपयोगिता हर घर में होने की बात कही। जस्टिस देवेन्द्र कच्छवाहा ने कहा कि हर वर्ष पिछले 15 सालों से कैलेण्डर का प्रकाशन कर नि:शुल्क देश भर में उपलब्ध करवाना निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण कार्य है। माली सैनी संदेश का प्रकाशन विगत 15 वर्षों से हो रहा है तथा पत्रिका 8 पेज से आज 24 पेज की हो गई है और अब तो पूरी पत्रिका मल्टीकलर में प्रकाशित होती है जिसमें समाज की न्यूजें के अलावा, समाज के उद्योगपतियों, राजपत्रित अधिकारियों, खेल प्रतिभाओं, युवओं, सामाजिक, धार्मिक, राजनीति एवं समाज से संबधित अन्य समाचारों का विस्तृत समावेश किया जाता है तथा यह माली सैनी समाज की एक मात्र ई-पत्रिका है इसके लिए पत्रिका संपादक मण्डल का अभिनंदन आभार। माली सैनी संदेश के संपादक मनीष गहलोत ने कहा कि हर वर्ष देश भर में रह रहे माली सैनी समाज के सुदूर बैठे समाज बंधुओं को कैलेण्डर को लेकर दिपावली से ही उत्साह रहता है तथा इसके लिए फोन आने शुरू हो जाते है यहीं नहीं हर वर्ष कैलेण्डर में सहयोग करने वाले सभी विज्ञापन दाताओं भी हमें निरंतर सहयोग करते है जिसके लिए विशेष रूप से चंद्रा फर्नीचर्स डॉट कॉम के जितेन्द्र कच्छवाहा,

सावित्री बिस्तर भण्डार के अरविंद परिहार के साथ ही इस वर्ष मुल्तान स्वीट्स ओर कृष्णा ज्वैलर्स के युवा श्रवण सोलंकी व वासुदेव सोलंकी का भी योगदान रहा है यह मल्टीकलर कैलेण्डर 20 दिसबंर से 30 दिसबंर के बीच देशभर में भेजे जाते है। इस अवसर पर सी. ए. महेश गहलोत एवं पत्रिका के प्रेस फोटोग्राफर जगदीश देवड़ा भी उपस्थित थे। पत्रिका परिवार की ओर से जस्टिस देवेन्द्र कच्छवाहा को महात्मा फूले सावित्री बाई फूले का चित्र भेंट किया गया।

कर्मयोगी भगवान सिंह परिहार की 5वीं पुण्य तिथि पर श्रमदान एवं सैण्टाइजर वितरित कर श्रद्धांजलि अर्पित की

जोधपुर। समाज रत्न कर्मयोगी स्वर्गीय श्रीमान भगवान सिंह परिहार की पाचवीं पुण्यतिथि पर माली सैनी समाज सेवा समिति द्वारा भगवान सिंह परिहार की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई साथ ही समिति द्वारा आस्था में रह रहे बुजुर्गों एवं नवजीवन संस्थान के नन्हें मुन्हें बालक बालिकाओं के लिए 100 सेण्टिाइजर भेंट किए। इसके साथ ही सुबह यंग ब्लड की टीम ने भदवासिया रामसागर चौराहे पर आदरणीय बाऊजी के मार्ग पर श्रमदान कर नाम पट्टिका के आस पास फैली गंदगी एवं क्षेत्र में सफाई अभियान कर बाऊजी को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। यंग ब्लड के युवा समाजसेवी आदित्य सिंह गहलोत ने कहा कि मार्ग का नामकरण निगम द्वारा किया गया लेकिन आज बाऊजी की पुण्य तिथि पर किसी प्रकार की साफ सफाई नहीं की गई न ही मार्ग पट्टिका की साफ सफाई की गई। उन्होंने प्रशासन एवं नगर निगम से अपील की कि उनकी प्रतिमा स्थापित कर युग पुरूष को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करें। अन्यथा यंग ब्लड सेवा समिति की टीम अपने स्तर पर मूर्ति की स्थापना करेगी। इस अवसर पर माली सैनी समाज सेवा समिति के अध्यक्ष मनीष गहलोत ने कहा कि आज समाज रत्न भगवान सिंह परिहार बाऊजी हमारे बीच में नहीं हैं लेकिन उनके मानव हितार्थ किये गये कार्यों से आज के युवाओं को सीख लेने की जरूरत है। आज भी जोधपुर ही नहीं जोधपुर के बाहर से भी जब कोई लावारिस लड़का/लड़की लवकुश में लाया जाता है तो धूमधाम से उसका नामकरण करने के साथ ही उसका लालन पालन कर उसे शिक्षित किया जाता है तथा यहां पली लड़कियों का विवाह भी धूमधाम से किया जाता है इसके साथ ही भगवान सिंह परिहार द्वारा उपेक्षित बुजुर्गों का जो सहारा आस्था वृद्धाश्रम में दिया जाता है वहां आकर बुर्जग दंपति अपने सारे दुख दर्द भूल जाते है। उनको घर में मिलने वाली सभी सुविधाऐं यहां दी जाती है अब जब श्री भगवान सिंह परिहार हमारे बीच नहीं रहे फिर भी यह सभी कार्य निर्विघ्न रूप से उनके जेयेष्ठ पुत्र राजेन्द्र परिहार दोनों संस्थाओं में अपनी सेवाऐं प्रदान कर रहे है। आल इण्डिया माली सैनी समाज के राष्ट्रीय सचिव धर्मेन्द्र सांखला ने कहा कि हमें आदरणीय बाऊजी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए सेवा के कार्यों के लिए आगे आना चाहिए और आज के दिन किसी एक सेवा का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर लायंस क्लब जोधपुर मातृशक्ति क्षेत्रीय अध्यक्ष कुसुमलता परिहार क्लब एलसीआईएफ को कोअर्डिनेटर ने सेवा का संकल्प ले उसे आत्मसात करने की बात कही। इस अवसर युवा समाजसेवी विनीत भाटी, महेश गहलोत, शेखर, भरत, अभिषेक, दिपक, मनीष, गोपाल, दिनेश,बसंल, आर्यन विशाल एवं चन्द्रसिंह सहित सहित अनेकों युवाओं ने श्रमदान कर बाउजी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

संत शिरोमणि लिखमीदास जी महाराज बरसी

उत्सव बना सादगी से

नागौर। संत शिरोमणि श्री लिखमीदास जी महाराज स्मारक विकास संस्थान अमरपुरा, नागौर के तत्वावधान में कोरोना योद्धाओं का अभिनंदन व सम्मान किया गया। स्मारक व देवमंदिर के चतुर्थ पाटोत्सव के अवसर पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

मसूरिया , जोधपुर के रामस्नेही संत रामरतन महाराज के पावन सान्निध्य में संपन्न इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत द्वारा की गई। इस अवसर पर संस्थान महामंत्री राधाकिशन तंवर, कोषाध्यक्ष कमल भाटी, नथमल गहलोत, चेनार के पूर्व सरपंच खींवसिंह सोलंकी, रामजीवण तंवर, रामकुमार भाटी मंचस्थ थे।

सैनिक क्षत्रिय माली समाज के कार्यकर्ता बालकिशन भाटी ने बताया कि इन योद्धाओं का किया सम्मान कार्यक्रम में आयुर्वेद विभाग के डॉ. हरवीर सांगवा, डॉ. नरेंद्र पंवार, डॉ. कैलाश ताडा, डॉ. हरेंद्र भाकल तथा बबीता माथुर, महेंद्र राठी, सुनील कुमार लखारा का प्रशस्ति पत्र, बेग देकर व दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया गया।

इसी प्रकार खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. महेंद्र सिंह मीणा , डॉ. शादाब अली, डॉ. राजेश दैया, डॉ. मो. मुस्लिम, डॉ. लोकेश कुमारी, डॉ. मनीषा सैन, डॉ. मनफूल पूनिया, डॉ. भाग्यश्री, डॉ. इंदु त्रिपाठी, डॉ. हुक्माराम, डॉ प्रहलाद, डॉ. रामसुख का भी स्वागत किया गया। संस्थान द्वारा आमंत्रित अतिथियों के माध्यम से महेंद्र सिंह सिंवर, भंवर सिंह, प्रेम प्रकाश पंडित, पन्नाराम गोदारा, लुंबाराम, मनोज व्यास, हरीश चौधरी, रामनिवास भाटी, राजेश पाटनी 108 मैनेजर, दीपक परिहार का भी स्वागत किया गया ।

इस अवसर पर अपने संबोधन में गहलोत ने कहा कि इस विषम परिस्थितियों में सभी लोगों के द्वारा संयम का परिचय दिया जाना आवश्यक है। 2 गज की दूरी के साथ-साथ बार-बार साबुन से हाथ धोना या सेनेटाइजर करना भी ध्यान रखने की बात है। जब तक तो वैक्सीन सभी के पास नहीं पहुंचती है तब तक सामूहिक रूप से सभी जनमानस द्वारा स्वयं को सुरक्षित रखना परिवार, समाज व देश के लिए भी जरूरी है। अपने आशीर्वचन में संत राम रतन महाराज ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री, माननीय राष्ट्रपति तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा भी जो कोरोना की विभीषिका में ध्यान रखने योग्य बातें हैं उसका बार-बार आग्रह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान भक्तों के द्वारा जो कर्म किए जाते हैं उसी कर्म के माध्यम से उसके प्रतिफल का आदान-प्रदान किया करते हैं। इसलिए मन में महापुरुषों की श्रेष्ठ बातें ध्यान में रखकर विषम परिस्थितियों के साथ -साथ सामान्य परिस्थितियों में भी भगवत भक्ति तथा सेवा कार्य को नहीं भूलना चाहिए।

कार्यक्रम में डॉ. मीणा ने भी इस विषम परिस्थितियों में ध्यान रखने योग्य बातें तथा चिकित्सा की दृष्टि से आवश्यक दिशा निर्देशों की जानकारी दी। कार्यक्रम में आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. हरेंद्र भाकल ने योग, प्राणायाम व नित्य प्रति लिए जाने वाले काढ़े के बारे में जानकारी दें ताकि आम व्यक्ति अपनी शारीरिक, मानसिक रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि कर सकें। कार्यक्रम में दौलत भाटी, दीपक गहलोत, जगदीश सोलंकी, बजरंग सांखला, मांगीलाल गहलोत, मोहनसिंह भाटी, मघाराम मेघवाल, जसवन्त गहलोत, चेतन गहलोत भीनमाल उपस्थित थे।

संस्थान के तत्वावधान में आयोजित चतुर्थ पाटोत्सव के अवसर पर यज्ञ अनुष्ठान भी हुआ जिसमें श्रीमती संतोष सोलंकी व कमल सोलंकी तथा भगवती सोलंकी तथा कार्यकारिणी सदस्य धर्मेन्द्र सोलंकी यजमान के रूप में विराजमान थे। कार्यक्रम में चेनार के पूर्व सरपंच खींवसिंह सोलंकी द्वारा संस्थान परिसर में यज्ञशाला निर्माण की घोषणा की गई।

सार्वजनिक नि:शुल्क जिम का उद्घाटन

नागौर। संत शिरोमणि श्रीलिखमीदास जी महाराज पार्क, ताऊसर में जिम का लोकार्पण किया गया। ताऊसर स्थित पार्क में जिम के द्वारा ग्रामीण अपने स्वास्थ्य में सुधार के लिए तथा प्रात: भ्रमण के साथ ही जिम के द्वारा कसरत भी कर सकेंगे। यह व्यवस्था पार्क में पूर्णतया नि:शुल्क उपलब्ध रहेगी। इस जिम का लोकार्पण संत शिरोमणि श्रीलिखमीदासजी महाराज स्मारक विकास संस्थान अमरपुरा, नागौर के सहमंत्री व भामाशाह हरीशचंद देवड़ा के मार्गदर्शन में तथा रामलाल टाक की अध्यक्षता में किया गया। उद्घाटन श्रीमती सुशीला सांखला द्वारा किया गया।

सैनिक क्षत्रिय माली संस्थान, नागौर के पूर्व मंत्री रामनिवास सांखला की स्मृति में जिम का निर्माण महेश, डॉ. रामस्वरूप व गोपीचंद सांखला के द्वारा करवाया गया। इस अवसर पर रामजीत टाक, हंसराज पंवार, ताऊसर के पूर्व सरपंच आसाराम भाटी, गोपीकिशन पंवार, ओमप्रकाश पंवार, दामोदर, राजेश भाटी, राजेंद्र भाटी, लायंस क्लब के अध्यक्ष व अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के सदस्य कृपाराम भाटी व हुलास देवड़ा भी उपस्थित थे। जिम में सिंगल स्काई वालकर, सीटेड पूलर, सोल्जर बिल्डर, डबल ट्विस्टर स्टैंडिंग, एयरवाल्कर, क्रोस ट्रेनर, चेस्ट प्रेस, आर्म एंड पेडल बाइक एवं हौर्स राइडर जैसे आधुनिक तकनीक वाले कसरत के साधन लगाए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि ताऊसर के ग्रामीणों द्वारा जन सहयोग से पार्क का निर्माण किया गया है जिनमें विभिन्न सुविधाएं भामाशाहों के सहयोग से उपलब्ध करवाई गई है जिसमें ट्यूबवेल, प्याऊ, प्रवेश द्वार, भ्रमण पथ सहित अनेक भौतिक सुविधाएं शामिल है। पार्क में विभिन्न फल, फूल, छायादार तथा औषधीय पौधे लगाए गए हैं।

गुरूद्वारा श्री गूरू रामदास सत्संग सभा,रामगंज,अजमेर प्रबंधन कमेटी द्वारा

गड्डी मालियान श्मशान समिति के अध्यक्ष नेमीचंद बबेरवाल का कोरोना वारियर्स के रूप मे सम्मानित

अजमेर। सिख समुदाय के गुरूद्वारा श्री गूरू रामदास सत्संग सभा, रामगंज कमेटी द्वारा माली समाज की गड्डी मालियान श्मशान समिति के अध्यक्ष नेमीचंद बबेरवाल का ''कोरोना वारियर्स'' के रूप मे सम्मान किया। गुरूद्वारा कमेटी द्वारा श्मशान मे किये जा रहे जनसेवा कार्यो से प्रभावित हो कर रामगंज, अजमेर स्थित गुरूद्वारा मे सस्मान से बुलाकर माला पहनकर, मोमेंटो देकर, स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। प्रबंधन कमेटी के सभी सदस्यों ने एक साथ एक स्वर मे उदघोष की सस्सिया काल, बोले सो निहाल..,वाहे गुरू का खालसा..,वाहे गुरू की फतह..।

वैश्विक कोरोना महामारी मे जहाँ दुसरे श्मशानो मे संक्रमित शवो का दाह-संस्कार नहीं करने दे रहे थे वही गड्डी मालियान श्मशान मे उन्होंने हिन्दू संस्कृति के अनुसार रिती-रिवाज से दाह-संस्कार करवाये। इस विपत्ति की घडी मे पुरा परिवार क्वारणटाईम मे रहने की वजह सेअस्थियो को सुरक्षित रखने की पुरी व्यवस्था करने तथा हिन्दू धर्म मे तिये, उठावने से लेकर ग्यारहवें, बारवे, तेरहवीं की रस्में की सारी व्यवस्था करवा कर मानवधर्म निभा रहे हैं। एक फोन पर अर्थी का सम्पूर्ण सामान बताये गये पते पर पहुंचाना, नि:शुल्क शव-वाहन उपलब्ध करवाना, डिप-फ्रिज की नि:शुल्क व्यवस्था, सुखी लकड़ियों की तुरन्त व्यवस्था करना गड्डी मालियान श्मशान की पहचान बन गयी हैं। लॉकडाऊन से लेकर आज तक निरन्तर निस्वार्थ रूप से सेवाएं दे रहे हैं। इसके अलावा प्रशासनिक गाईड लाईन की पालना करते हुये नो मस्क-नो एन्ट्री, दो गज की दुरी, सैनीटाइजर, साबुन से हाथ धुलवाने की सारी व्यवस्था हैं।इस मानवसेवा मे भोलु बबेरवाल, ईश्वर टांक, रमेशचंद कच्छावा, श्यामलाल तंवर, प्रदीप कच्छावाह इत्यादि बराबर सहयोग दे रहे है।

सम्मान समारोह के इस अवसर पर कमेटी अध्यक्ष सरदार बलवीरसिंह हुन्जन, सचिव जगजीत सिंह सोखी, सुरेन्द्र पाल सिंह,गुरदीप सिंह पुनिया, त्रिलोचन सिंह, विक्रम सिंह, अमरजीत सिंह, हरजिंदर सिह,सरवन सिंह(पुजारी),प्रदीप कच्छावाह इत्यादि उपस्थित थे।

शहीद शक्ति सिंह सैनी को बेटी इशिका व निहारिका ने दी मुखाग्नि

श्रीमाधोपुर। कस्बें के वार्ड 25 शक्ति सिंह पुत्र रतनलाल सैनी की बीमारी से मौत हो गई। शक्ति सिंह सैनी 2006 में सेना में भर्ती हुए थे। 16 अक्टूबर को वे अपने पैतृक गांव श्री माधोपुर से ड्यूटी पर गुहावटी के लिए गये। शक्ति सिंह सैनी गोहाटी के नारंगी गांव में पंचासवी बन सब एरिया के 952 टीपीपी कंपनी, ए एस सी में तैनाथ थे। लांस नायक शक्ति सिंह बीमार होने से गोहाटी अस्पताल में आईसीयू में भर्ती थे। मृत्यु होने के बाद जवान का शव श्रीमााधोपुर थाना में लाया गया जहां से रैली के रूप में जयकारों के साथ सैनिक को, अमर रहे के जयकारों के साथ पार्थिव देह गांव पहुंची जहां सैनिक का पैतृक भूमि में अंतिम संस्कार किया गया। इससे पूर्व तिरंगा लांस नायक के पिता रतनलाल सैनी रिटायर्ड फौजी, भाई विनोद सैनी व दोनों पुत्रियों निहारिका व इशिका को सम्मान के साथ सेना के अधिकारियों ने दिया। जब जक सूरज चांद रहेगा, शक्ति सिंह का नाम रहेगा व भारत माता की जय से गुंजायन करते हुए उनके पैतृक गांव ढ़ाणी पीपलावाली वार्ड 25 में उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार से पहले सेना के जवानों ने हवा में गोलियां चलाकर गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इससे पूर्व जब शहीद का शव सेना की टुकड़ी के साथ घर में पहुंचा तो उनकी पत्नी मंजू देवी का रो रो कर बुरा हाल हुआ वह बेसुध हो गई थी। वहीं माता गीता देवी का भी रो रो कर बुरा हाल था। पिता रिटायर्ड फौजी रतनलाल के आंसू भी नहीं सूख रहे थे। पूरे गांव में मातम छाया हुआ था।

शक्ति सिंह के माता व पत्नी को इसकी पूर्व में सूचना नहीं दी गई थी वह दोनों सुबह मंदिर जाने वक्त ढ़ाणी वासियों द्वारा साफ सफाई व रास्ते से टहनियों को हटाने में लगे हुए थे तब शक्ति सिंह की माता ने पूछा कि आज टहनियां कैसे काट रहे हो तो ढ़ाणी वासियों ने जवाब दिया कि दिपावली होने के काराण साफ सफाई की जा रही है। उसके बाद में वह मंदिर चली गई। अंतिम संस्कार स्थल पर पूर्व विधायक झाबर सिंह खर्रा, उपखण्ड अधिकारी लक्ष्मीकांत गुप्ता, तहसीलदार महिपाल सिंह राजावत, थानाधिकारी दातार सिंह मय स्टॉफ, पूर्व सरपंच मोहनलाल सैनी सहित कई गणमान्य लोगों ने सैनिक को पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्वाजंलि दी गई इस मौके पर कई जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति भी थी। जब पुत्री ईशिका व निहारिका ने अपने पिता को मुखाग्नि दी तो महौल गमहीन हो गया। सभी उपस्थित जनों के आंखों में आंसू आ गए इस पर परिजनों एवं प्रबुद्वजनों ने दोनों लड़कियों को संभाला। समाज के वीर सैनिक के देश सेवा करते हुए शहीद होने पर माली सैनी संदेश परिवार हार्दिक श्रद्वाजंलि अर्पित करते हुए ईश्वर से दिवगंत आत्मा की शांति के साथ ही परिजनों को यह असीम दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता है।

समाज की क्रांतिकारी एवं अनूठी पहल

मृत्युभोज को सीमित मात्रा में करके एक लाख छात्रावास निर्माण में सहयोग

भीलवाड़ा। प्रिय समाज बंधु आप सबको यह जानकर अति प्रसन्नता होगी कि समाज अब रूढ़िवादी और अंधविश्वास की बेड़ियों से आजाद हो रहा है, समाज मे नयी सोच ,नयी विचारों का विकास हो रहा है ,समाज अब नहीं व्यवस्थाओं को जन्म दे रहा है, जिसमे समाज के हर तबके का विकास हो रहा है।

स्वर्गीय उदयराम माली (रागस्या) की पुनीय स्मृति मे एक लाख रूपये छात्रावास निर्माण मे सहयोग

यह सब संभव हो पा रहा है उन क्रांतिकारी विचारों एवं सकारात्मक सोच रखने वाले समाज के बंधुओं से जिन्होंने हाल ही में समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास किया, उन्हीं प्रयासों में आदरणीय कालूलाल, हीरालाल, भेरूलाल लाल, मदन, देवीलाल, कन्हैयालाल (चुन्नीलाल) माली रागस्या परिवार ने अपने पिता स्वर्गीय उदयराम माली रागस्या के निधन 21 नवबंर को होने पर दिनांक 2 दिसबंर को समस्त सामाजिक एवं धार्मिक कर्मकांड पूर्ण करते हुए समाज के पंच पटेलों के समक्ष मृत्युभोज को सीमित मात्रा में करते हुए हैं उन्हीं पैसों को अपने सामर्थ्य के अनुसार समाज कल्याण में लगाने के लिए रूप्ए 1,00,000 एक लाख रूपये का चैक छात्रावास निर्माण में निर्माण में उपस्थित समाज बंधुओं एवं माली युवा सेवा संस्थान के पदाधिकारियों को दिया । भीलवाड़ा माली समाज एवं माली युवा सेवा संस्थान रागस्या परिवार से मिले प्रेम, स्नेह, और सामाजिक, समर्थन के लिए मैं आपका हृदय से आभार एवं धन्यवाद करता हैं। आप के परिवार का सामाजिक कार्य हो धार्मिक कार्य हो या समाज का अन्य कोई कार्य हो आपका सहयोग हमें हमेशा मिलता रहता है। अच्छा लगता है ऐसे अच्छे समाज बंधुओं ओर परिवारों को देखकर जो बिना बोले ही आगे आकर सामाजिक विकास में अपना योगदान करते हैं। मैं समाज के बंधुओं से निवेदन करता हूं कि हमें कभी भी किसी की मदद को भुलना नहीं चाहिए, इससे हमारे अंदर अच्छे भाव आते हैं, और अच्छे काम करने की प्रेरणा मिलती है। जब एक परिवार के सकारात्मक नजरिये का उत्थान होता है तो उसके साथ सारे समाज का भी उत्थान होता है । माली युवा सेवा संस्थान की 20 वर्षो की सकारात्मक सोच का ही यह नतीजा है कि समाज हमारे किये गए प्रयासों को अपना रहा, हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि समाज हमारी उस पहल का हृदय से अनुसरण करेगा ।और हमें अधिक से अधिक सहयोग प्रदान कर छात्रावास निर्माण कार्य पूर्ण कराने में हमारा सहयोग करेंगे एक बार पुन: आपकी सहायता और सहयोग के लिए आप रागस्या परिवार का बहुत-बहुत धन्यवाद ज्ञापित करता हूं तथा ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि आपके पिताजी जहां कहीं भी हो उनकी आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और उनका आशीर्वाद आप परिवार को हमेशा मिलता रहे।

एक सप्ताह के भीतर ही सोशल मीडिया के सहयोग से योगेश सैनी के किडनी ट्रांसप्लांट के लिए 10 लाख रूपए की सहायता जुटा ली

लक्ष्मणगढ़ के योगेश सैनी को कानपुर की संध्या ने व योगेश की मां ने संध्या के पति को किडनी डोनेट की

लक्ष्मणगढ़। अपने दिल में उठे दर्द से छुटकारा पाना होता तो किसी और के पैर में चुभे कांटे को निकालने की कोशिश करनी चाहिए। ये कहानी भी जिदंगी के ऊेसे ही फलसफे का बयां करती है। ये कहानी है एक मां और पत्नी के त्याग की। जिन्होंने किसी और को किडनी देकर अपने बेटे और पति की जान बचाई। इस कहानी की शुरूआत लक्ष्मणगढ़ से हुई। लक्ष्मणगढ़ निवासी 24 साल के योगेश पुत्र रतनलाल सैनी की दोनों किडनी फेल हो गई। मजदूरी करने वाले रतनलाल सैनी के लिए किडनी ट्रांसप्लांट की रकम जुटा पाना बहुत बड़ी चुनौती थी। इस पीड़ा को दैनिक भास्कर में प्रकाशित होने के बाद देश दुनिया में बसे लक्ष्मणगढ़ के लोगों ने मदद के लिए पहल की। एक सप्ताह में 10लाख रूपए एकत्रित हो गए। योगेश की मां किडनी डोनेट करने के लिए तैयार थी, लेकिन किडनी मैच नहीं हुई। कोरोना काल और लॉकडाउन के कारण दूसरा डोनर भी नहीं मिला। काफी प्रयास के बाद आखिर भगवान ने सुन ली। कानपुर के मनोज कुमार निषाद को भी किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत थी और उसकी पत्नी संध्या की किडनी मैच नहीं हो रही थी। योगेश और मनोज दोनों का ट्रीटमेंट अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल में चल रहा था। ऐसे में डॉक्टरों ने क्रांसमेचिंग की कोशि की, जो सफल रही। जांच में पता चला कि संध्या ने योगेश को और योगेश की मां संध्या के पति मनोज को किडनी दे सकती है। गुरूवार को ये क्रॉसमेचिंग ट्रांसप्लांट किया गया। योगेश के मामा फतेहपुर निवासी दिनेश सैनी ने बताया कि अहमदाबाद के सिविल हॉस्पीटल में 7 घंटे चले ऑपरेशन में क्रांसमैचिंग के लिए एक साथ 4 लोंो के ऑपरेशन किए गए। डॉक्टर के अनुसार चारों ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजमा दिया। सुबह 9 बजे सभी को एक साथ ओंटो में ले जाया गया तथा दोपहर बाद 4 बजे सभी के ऑपरेशन सफल हुए। डॉ. जमाल की अगुवाई में डॉक्टरों की टीम ने लगातार 7 घंटे मेहनत कर सभी को नया जीवन दिया। मजदूरी कर परिवार को पालने वाले स्थानीय बासनी रोड़ रेलवे फाटक के पास रहने वाले मजदूर रतनलाल सैनी के इकलौते बेटे की दोनों किडनी खराब होने में इलाज के लिए आर्थिक तंगी को लेकर भास्कर ने खबर प्रकाशित की थी। युवाओं ने इस खबर को सोशल मीडिया पर वायरल किया। हर व्यक्ति अपने स्तर पर मदद के लिए जुट गया। एक सप्ताह में ही 10 लाख से अधिक की राशि एकत्रित हो गई। लॉकडाउन और डोनर नहीं मिलने से देरी जरूर हुई, लेकिन गुरूवार को योगेश को नया जीवन मिल गया।

इन्होंने बढ़ाया मदद का हाथ :

ऑल इण्डिया माली बैंक एम्लाइज एसोसिएशन, रघुनाथ सेवा समिति, श्री गोपीनाथ गणेश पूजा समिति, टेंट एसोसिएशन लक्ष्मणगढ़, विद्युत विभाग व पंचायत समिति के कर्मचारीगण, अभिभावक संघ लक्ष्मणगढ़, वार्ड नं. 23 व 15 के कार्यकर्ता, अमन वेलफेयर सोसायटी, शिव ढप मंडली सेठों की कोठी, गोसेवा रक्षक, लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषदफ महिला प्रकोष्ठ, नगर पालिका ठेकेदार एसोसिएशन सहित अन्य संगठन शामिल है। असम, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल के अलावा, दुबई, इटली, सिंगापुर, नेपाल, सऊदी अरब में रहने वाले शेखावटी के प्रवासियों ने पैसे एकत्रित कर बड़ी राशि का सहयोग किया।

माली (सैनी) समाज सेवा संस्थान की कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

श्रीमती कुसुमलता परिहार अध्यक्ष एवं जगदीश देवड़ा बनें सचिव साथ ही अन्य पदाधिकारियों की भी हुई नियुक्ति

जोधपुर। 15 वर्षो से समाज सेवा को समर्पित माली सैनी समाज सेवा संस्थान की जोधपुर कार्यकारिणी की घोषणा आज महंत रामप्रसाद जी महाराज के कर कमलों से पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र देकर की गई। संस्था के प्रदेश सचिव धमेन्द्र सिंह सांखला ने बताया कि आज जोधपुर जिले के अध्यक्ष पद पर श्रीमती कुसुमलता परिहार को मनोनित किया गया। श्रीमती कुसुमलता वर्षो से समाजसेवा से जुड़ी हुई है आप लॉयस क्लब में विभिन्न पदों पर रह कर सामाजिक सरोकार के सेवा कार्य कर रही है इसके साथ ही श्रीमती रेखा परिहार को वरि. उपाध्यक्ष मनोनित किया गया। जगदीश देवड़ा को जिला सचिव मनोनित किया गया है जगदीश देवड़ा प्रेस फोटोग्राफर है तथा वर्षो से विभिन्न सामाजिक आयोजनों में अपनी नि:स्वार्थ सेवाओं के साथ ही पूंजला नाड़ी में सघन वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य कर रहे है। साथ ही रामेश्वर गहलोत को प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं सोशल मिडिया पर समाज के सक्रिय युवा बावड़ी के इमरत भाटी को प्रदेश मिडिया प्रभारी और युवा समाज सेवी अरविंद कच्छवाहा को कार्यकारिणी सदस्य मनोनित किया गया। इनके मनोनयन पर संस्था के प्रदेश अध्यक्ष मनीष गहलोत ने बधाई देते हुए विष्वास व्यक्त किया कि सभी सामाजिक सरोकार के सेवा कार्यो से समाज के सभी वर्गो को लाभान्वित करने का कार्य करेगें। साथ ही आगामी 3 जनवरी, 21 को देश की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्री बाई फूले की 190वीं जयंति पर जिले की महिला शिक्षिकाओं के सम्मान समारोह से जोधपुर में सेवा कार्य का शुभारंभ करेंगे। महंत रामप्रसाद जी महाराज ने सभी को आशीर्वाद प्रदान करते हुए पदाधिकारियों से कहा कि सामाजिक सेवा के कार्यो का करना चुनोतीपूर्ण कार्य है विशेषकर महिला द्वारा यह जिम्मेदारी लेना और भी महत्वपूर्ण है महंत रामप्रसाद जी ने सभी को शुभकामनाएं प्रदान की। प्रदेश सचिव धमेन्द्र सिंह सांखला ने सभी को बधाई देते हुए आभार प्रकट किया। समाज की युवा समाजसेवी श्रीमती वंदना परिहार को संस्था का उपाध्यक्ष मनोनित किया गया। इसके साथ ही विश्व रिकॉर्ड धारी योगाचार्य श्याम भाटी को संस्था का कोषाध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा आयुर्वेद डॉक्टर जितेन्द्र कुमार सोलंकी को उपाध्यक्ष मनोनीत किया। साथ ही कार्यकारिणी में सह सचिव के पद पर प्रेमजीत परिहार, और युवा अधिवक्ता सुभाष परिहार को सह कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्ति दी गई साथ ही कार्यकारिणी सदस्य के रूप में स्वास्थय सेवाएं दे रहे अर्जुनसिंह गहलोत और डॉ. मोहनीश गहलोत का मनोनयन किया गया।

राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा से समाज को गौरवान्वित करने वाली ग्रामीण परिवेश में पली बढ़ी

भाग्यश्री सैनी

झुंझुनू के खेतड़ी नगर में जन्मीं समाज की होनहार बेटी भाग्यश्री सैनी ने अपनी पढ़ाई खेतड़ी नगर झुंझुनू में पूरी की, उन्होंने 18 साल में अपना ग्रेजुएशन पूरा कर लिया, ग्रेजुएशन के दौरान उन्होंने एनसीसी आर्मड विंग ज्वाइन किया एनसीसी में वह उच्चतम पद 'सीनियर अंडर ऑफिसर' रही और अनेक पुरस्कार प्राप्त किए, एनसीसी में वह बेस्ट कैडेट, बेस्ट एंकर का अवार्ड प्राप्त कर चुकी हैं इन्हें एनसीसी में 'नेशनल इंटीग्रेशन कैंप' देहरादून व नेशनल इंटीग्रेशन कैंप हैदराबाद में बेस्ट एंकर का अवार्ड प्राप्त हुआ है इन्होंने एनसीसी में सी सर्टिफिकेट व बी सर्टिफिकेट में "A" grade प्राप्त किया है,

अपने एनसीसी के दिनों में वह 'नेशनल इंटीग्रेशन कैंप देहरादून वह हैदराबाद में बेस्ट डांसर का अवार्ड भी जीत चुकी है' भाग्यश्री सैनी ने अपने पढ़ाई में बीएससी के बाद, मास्टर्स इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, एनजीओ मैनेजमेंट, पूरा किया व इसके अलावा 'स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी' से विमेन हेल्थ में सर्टिफाइड है ये 'हावर्ड यूनिवर्सिटी' से चाइल्ड राइट्स व इंटरनेशनल लॉ में सर्टिफाइड है, व 'यूनिवर्सिटी आफ ब्रिटिश कोलंबिया' से ग्मदकमतंदकै मगनंसपजल रूठज्फ ब्वउउनदपजल में सर्टिफाइड है।

वर्तमान में भाग्यश्री अनेक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म पर लेखिका व ब्लॉगर हैं जिसमें यूनिसेफ, इंटरनेशनल यूथ जनरल, विमेन वेब, यूथ की आवाज, स्टोरी मिरर, PENTHERE, Indian Periodical, Sahitalya पर महिलाओं एवं बालिकाओं व उनसे संबंधित मुद्दों पर जागरूकता हेतु लिखती है।

अपने सामाजिक कामों में ये स्कूल छोड़ चुकी व बाल विवाह से ग्रसित बालिकाओं की शिक्षा के उन्हें सशक्त करने के लिए PRATHAM से जुड़ी है इसके अलावा राजस्थान में सिलिकोसिस की समस्या पर यह अध्ययन कर रही है वह उसके लिए इन्होंने भीलवाड़ा के सिलिकोसिस ग्रसित गांव भ्रमण किए है।

भाग्यश्री ष्नेशनल यूथ काउंसिल ऑफ इंडिया में विमेन एंड चाइल्ड विंग प्रेसिडेंट, मासूम बचपन फाउंडेशन में राष्ट्रीय सचिव के तौर पर अपनी सेवाएं दे रही है जिसमें हाल ही में पूरे राजस्थान प्रदेश के सभी जिलों में नेशनल यूथ काउंसिल अश्वफ इंडिया के बैनर तले नितिन माथुर के सहयोग से महिलाओं व लड़कियों को सभी प्रकार के उत्पीड़न के खिलाफ सशक्त करने एवं उनकी मदद करने के लिए '**चिट्ठियां अभियान**' का शुभारंभ किया है ताकि सबको उनकी आवाज का महत्व और अपने लिए लड़ने के लिए सशक्त बनाया जा सके। इन्हें अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बीएन पटेल इंस्टिट्यूट वडोदरा द्वारा '**विमेन अचीवर्स अवार्ड**' द्वारा सम्मानित किया गया था।

ये स्वयं बाल विवाह की सर्वाइवर रही है और इस सामाजिक कुरीति को खत्म करने के लिए इन्होंने 11 साल इसके खिलाफ लड़ाई लड़ी और अपने इसी साहस के लिए इन्हें नॉर्थ अमेरिका की मैगजीन Global Heroes में हाल ही में फीचर किया गया इसी प्रकार से "Say It Forward" कनाडा में इन्हें फीचर किया गया व UK की मैगजीन Women Being में इनकी कहानी को फीचर किया गया।

इनके पिता जी श्री बनवारी लाल सैनी एवं इनकी माताजी श्रीमती सरला सैनी भी सामाजिक कार्यकर्ता है वह महिलाओं व वंचित वर्गो के उत्थान के लिए कार्यरत है उनके द्वारा 2013 से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान का संचालन जिला भर में किया गया एवं वर्तमान में मानसिक विमंदित लोगों के लिए कार्यरत है इनके सराहनीय कार्यों के लिए इन्हें अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। इनकी बहन डॉक्टर इंदु सैनी ''**आहार विशेषज्ञ**'' है। इनके भाई राम मनोहर लोहिया अस्पताल में अपनी सेवाएं दे रहे है। अपनी सभी उपलब्धियों का श्रेय मैं अपनी बहन डॉक्टर इंदु को देती हूं जिन्होंने हमेशा मुझे बेहतर करने को प्रेरित किया।

28वें
जन्मदिवस पर
विशेष :

समाज गौरव

नवदीप सैनी

भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य एवं दुनियां के सबसे तेज गेंदबाजों में से एक

क्या आप जानते है ...

जब नवदीप सैनी के कारण उनकी मां को करनी पड़ती थी बैटिंग...

नवदीप सैनी को अपनी गेंदों से मिट्टी के बर्तनों को तोड़ने में आता था मजा। गेंदबाजी प्रैक्टिस के लिए मां को बना देते थे बैट्समैन। साड़ी पहनकर क्रिकेट खेलना मुश्किल है और अगर हाथ में क्रिकेट बैट की जगह बर्तन हो तब तो नामुमकिन है। लेकिन नवदीप सैनी ने इसे संभव किया है। आपको आश्चर्य हो रहा होगा कि नवदीप सैनी का साड़ी पहनकर और हाथ में बर्तन पकड़कर क्रिकेट खेलने से क्या संबंध। तो आपको बता दें कि हम नवदीप सैनी नहीं उनकी मां की बात कर रहे हैं। वेस्ट इंडीज के खिलाफ टी२० डेब्यू करने वाले नवदीप सैनी ने अपनी तेजी से बल्लेबाजों को खूब छकाया। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि नवदीप सैनी ने जब पहली बार गेंदबाजी की थी तो बल्लेबाज के तौर पर उनके सामने उनकी मां थी।

सैनी के घर में होता था मिट्टी के बर्तनों का ढेर

सैनी की मां को तब तक यही पता था कि बर्तनों का इस्तेमाल सिर्फ किचेन में ही होता है। लेकिन नवदीप सैनी के कारण उनकी मां को बर्तनों का इस्तेमाल बैट के रूप में करने के लिए मजबूर होना पड़ा। नवदीप सैनी हरियाणा के करनाल जिले में स्थित तरौरी कस्बे के एक गांव में जन्में और वहीं पले बढ़े। इस स्थान एक क्रिकेट ट्रेनिंग के लिए कोई आधारभूत ढांचा उपलब्ध नहीं है। यहां के लोग खेती, फैमली बिजनेस और सरकारी नौकरियों पर निर्भर हैं। शायद इसीलिए नवदीप सैनी को मजबूरन अपनी मां को ही बल्लेबाज के रूप में खड़ा कर गेंदबाजी करनी पड़ी।

सैनी को उनके पिता से मिला पूरा सहयोग

नवदीप के पिता हरियाणा रोडवेज में ड्राइवर थे और दिन के अधिकतर समय अपनी ड्यूटी पर रहते। सैनी के बड़े भाई विदेश में सेटल होने के लिए प्रयास करने में व्यस्त थे। नवदीप सैनी का कोई ऐसा साथी नहीं था जिसके साथ वह क्रिकेट खेल सकते थे। जब उनकी मां भी मना कर देती थीं तो सैनी मिट्टी के कुछ बर्तनों को सजाकर विकेट बनाते थे और उसी पर गेंदबाजी का अभ्यास करते। गेंद लगने से मिट्टी के बर्तन टूट जाते थे और उनके टुकड़े यहां वहां बिखर जाते। बर्तन के टुकड़े जीतनी दूर तक बिखरते, सैनी को उतना ही मजा आता। क्योंकि यह इस बात का संकेत होता था कि सैनी तेज गेंदबाजी कर रहे हैं।

मिट्टी के बर्तनों को तोड़ने में आता था मजा

अपने छोटे बेटे का गेंदबाजी के प्रति यह जुनून देखकर सैनी के पिता अमरजीत सैनी ने अपने घर में मिट्टी के बर्तनों का ढेर लगा दिया। अगर सैनी दो तोड़ते तो उनके पिता चार खरीद लाते। बर्तनों की संख्या बढ़ती गई और इसके साथ ही नवदीप सैनी के गेंदों की तेजी भी। दृढ़ निश्चय और गेंदबाजी के प्रति अथाह जुनून ने सैनी के सामने की सारे बाधाएं हटा दीं। गेंदबाजी नवदीप सैनी की लत बन गई। जब सैनी ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ पहले टी२० मैच में शिमरोन हेटमायर का विकेट उखाड़ा तो उनकी आखों में वही पुरानी चमक दिखाई दी जो चमक मिट्टी के बर्तनों को गेंद मारकर फोड़ने के बाद दिखाई देती थी।

नव वर्ष २०२१ के कलैण्डर को प्राप्त करें

आप सभी को हर्ष के साथ सूचित किया जाता है कि हर वर्ष की भाँति माली सैनी संदेश द्वारा नव वर्ष 2021 का मल्टी कलर कलैण्डर का प्रकाशन समाज के विज्ञापन दाताओं के सहयोग से किया गया है। यह कैलेण्डर संपूर्ण भारत में समाज के सभी वर्गों को उपलब्ध करवाया जाता है कलैण्डर जोधपुर के अलावा, पाली, जालोर, भीनमाल, तिंवरी, पीपाड़, नागौर, जयपुर, बालोतरा, सिरोही चैनई, बैंगलोर, मुंबई सहित देश भर में निःशुल्क उपलब्ध करवाया जाता है। आप कलैण्डर कहां से प्राप्त कर सकते है इसके लिए हमारी वेबसाईट : www.malisainisandesh.com पर लॉग ऑन कर संपर्क सूत्र की जानकारी ले सकते है।

सामाजिक क्रांति के अग्रदूत

महात्मा ज्योति बा फूले

महात्मा ज्योतिबा फूले का जन्म 11 अप्रैल 1827 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में शूद्र वर्ण की माली जाति में हुआ था। जिन्हें 'मनुस्मृति' के विधान के हिसाब से न शिक्षा प्राप्त करने की आजादी थी और न अपनी मर्जी का पेशा चुनने की। लेकिन वक्त बदल चुका था। ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा भारत में 'दासता उन्मूलन अधिनियम-1833' और मैकाले द्वारा प्रस्तुत 'मिनिट्स ऑन एजुकेशन' (1835) लागू किये जा चुके थे। यह मनुस्मृति आधारित सामाजिक व्यवस्था को बदलने वाली एक महान पहल थी जिसमें जॉन स्टुअर्ट मिल की उल्लेखनीय भूमिका रही।

1848 में मात्र 21 वर्ष की अवस्था में उन्होंने सार्वजनिक जीवन में प्रवेश किया। वर्ष 1840 में उनका विवाह मात्र 9 वर्ष की सावित्री बाई फूले से हुआ। वे पढ़ना चाहती थीं। परंतु उन दिनों लड़कियों को पढ़ाने का चलन नहीं था। शिक्षा के प्रति पत्नी की ललक देख जोतीराव फूले ने उन्हें पढ़ाना शुरू कर दिया। लोगों ने उनका विरोध किया। परंतु फूले अड़े रहे। तीन वर्षों में पति-पत्नी ने 18 स्कूलों की स्थापना की। उनमें से तीन स्कूल लड़कियों के लिए थे। 24 सितंबर, 1873 को पुणे में, सत्य शोधक समाज की स्थापना के मौके पर आए प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए महात्मा फूले ने कहा था-

'अपने मतलबी ग्रंथों के सहारे हजारों वर्षों तक शूद्रों को नीच मानकर ब्राहाण, भट्ट, जोशी, उपाध्याय आदि लोग उन्हें लूटते आए हैं। उन लोगों की गुलामगिरी से शूद्रों को मुक्त कराने के लिए, सदोपदेश और ज्ञान के द्वारा उन्हें उनके अधिकारों से परिचित कराने के लिएय तथा धर्म और व्यवहार-संबंधी ब्राहाणों के बनावटी और धर्मसाधक ग्रंथों से उन्हें मुक्त कराने के लिए सत्यशोधक समाज की स्थापना की गई है।'

सत्यशोधक समाज एक तरह से ब्राह्मण संस्कृति या हिन्दू धर्म को नकारने जैसा प्रयास था। जिसके प्रभाव में आकर लोगों ने पुरोहितों से किनारा करना शुरू कर दिया। आधुनिक भारत के इतिहास में 19वीं शताब्दी सही मायनों में परिवर्तन की शताब्दी थी। अनेक महापुरुषों ने उस शताब्दी में जन्म लिया। उनमें से यदि किसी एक को 'आधुनिक भारत का वास्तुकार' चुनना पड़े तो वे महात्मा ज्योतिबा फूले ही होंगे। उनका कार्यक्षेत्र व्यापक था। स्त्री शिक्षा, बालिकाओं की भ्रुण हत्या, विधवा विवाह, बालविवाह, जातिप्रथा और छूआछूत उन्मूलन, धार्मिक आडंबरों का विरोध आदि ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जहां उन्होंने अपनी उपस्थिति दर्ज न कराई हो। 28 नवम्बर, 1890 को महात्मा ज्योतिराव फूले का निर्वाण हो गया।

डॉ आंबेडकर ने 10 अक्तूबर, 1946 को अपनी चर्चित रचना शूद्र कौन थे ? को महात्मा फूले के नाम समर्पित करते हुए लिखा है, कि **''जिन्होंने हिन्दू समाज की छोटी जातियों को उच्च वर्णों के प्रति उनकी गुलामी के सम्बन्ध में जागृत किया और जिन्होंने विदेशी शासन से मुक्ति पाने से भी सामाजिक लोकतंत्र (की स्थापनात्र)अधिक महत्वपूर्ण है, इस सिद्वांत का प्रतिपादन किया, उस आधुनिक भारत के महानतम शूद्र महात्मा फूले को सादर समर्पित''**

डॉ अम्बेडकर ने उन्हें अपना गुरु मानते हुए कहा हैं कि, यदि इस धरती पर महात्मा फूले जन्म नही लेते तो अम्बेडकर का भी निर्माण नही होता।

यदि हमें आंदोलन की दृष्टि से महात्मा ज्योतिबा फूले के जीवन संघर्ष से प्रेरणा लेकर बहुजन मिशन को उसके लक्ष्य तक पहुंचना है तो हमें क्रांति की तीन पूर्व शर्तो पर ध्यान केंद्रित करना होगारू

1. आत्म सम्मान को जगाकर विद्रोही बनना- क्रांति की पहली शर्त है अपने आत्म सम्मान को जगाकर विद्रोह खड़ा करना। महात्मा ज्योतिबा फूले अपने ब्राह्मण दोस्त की शादी से अपमानित करके इसलिए भगा दिए जाते हैं कि वह ब्राह्मण बारात में दूल्हे के साथ आगे आगे चल रहे थे। इस घटना से दु:खी होकर वे सोचते हैं कि मेरा अपमान क्यों हुआ ? वे इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि में धर्म की चतुरवर्णीय व्यवस्था में नीच शूद्र हूँ।

इसी दौरान उनके सामने से अतिशूद्र (अछूत) जिनके गले में हांडी और कमर में झाडू बंधा हुआ था अपनी मस्ती में जा रहे थे। उन्हें देखर महात्मा फूले के दिमाग में दूसरा प्रश्न आता है, कि मुझे केवल बारात से निकाला में इतने से अपमान से दु:खी हो गया लेकिन इन अछूतों को तो जमीन पर चलने और थूकने का भी अधिकार नही है। इन्हें इस घोर अपमान का अहसास क्यों नही हो रहा ? अंतत: इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि में पढ़ा लिखा हूँ इसलिए मान और अपमान के अंतर को समझता हूँ लेकिन ये अछूत अनपढ़ होने की वजह से अपनी इस दुर्दशा को नियति समझकर स्वीकार कर चुके हैं

महात्मा फूले यदि साधारण इंसान होते तो अछूतों के अपमान को देखकर आत्म संतुष्ट हो गए होते जैसा कि हिन्दू धर्म सदैव क्रमानुसार हर जाति को नीचता का दर्जा देकर अपमानित करता है लेकिन किसी भी व्यक्ति का आत्मसम्मान नही जागता कि नीच तो नीच ही होता है चाहे वह छह इंच नीच हो या बारह इंच। अपमान के इस अहसास ने महात्मा फूले को आधुनिक भारत का क्रांति सूर्य बना दिया। इस अपमान ने उन्हें ब्राह्मण संस्ति के खिलाफ विद्रोही बना दिया। वे इस बात को समझ गए कि आत्मसम्मान की चाहत व्यक्ति को विद्रोही बनाती है जो क्रांति की पहली पूर्व शर्त है।

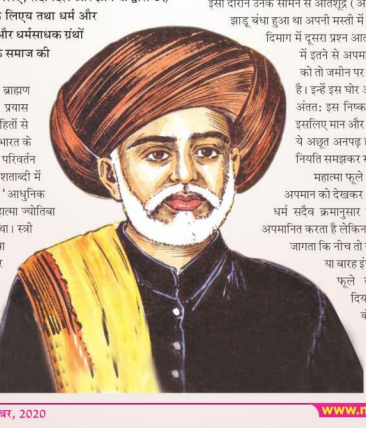

2. दुश्मन और दोस्त की

पहचान- क्रांति की दूसरी पूर्व शर्त है दुश्मन और दोस्त की पहचान का होना। महात्मा फूले ने समाज में एक स्पष्ट विभाजन रेखा खींच दी कि, भट्टजी/लाठजी/शेटजी V/s शूद्र/अतिशूद्र उनका स्पष्ट मानना था कि ब्राह्मण क्षत्रिय वैश्य का गठजोड़ अपने को मालिक मानकर शूद्र/अतिशूद्र को गुलाम समझता हैं, इसलिए मालिक और गुलाम के बीच में स्पष्ट विभाजन रेखा होनी चाहिए। अर्थात दुश्मन और दोस्त की स्पष्ट पहचान क्रांति की पूर्व दूसरी शर्त हैं।

3. आत्मनिर्भर बनकर दुश्मन का बहिष्कार- क्रांति की तीसरी पूर्व शर्त है आत्मनिर्भर बनकर दुश्मन का बहिष्कार करना। जब तक गुलाम समाज मालिक समाज पर निर्भर रहेगा वह उनके खिलाफ विद्रोह नही कर सकता। शूद्र/अतिशूद्र समाज जन्म से लेकर मृत्यु पर्यन्त संस्कार ब्राह्मण द्वारा करवाता हैं, इसलिए महात्मा ज्योतिबा फूले ने सत्य शोधक समाज की स्थापना कर सत्य शोधक पद्धति से संस्कार करवाना शुरू किया ताकि समाज ब्राह्मण की निर्भरता से मुक्त होकर ब्राह्मण का बहिष्कार कर सके और अपनी लड़ाई आत्मनिर्भर बनकर स्वयं लड़ सके।

निष्कर्ष के तौर पर हम कह सकते हैं कि महात्मा फूले ने आत्मसम्मान का संघर्ष छेड़कर ब्राह्मण संस्कृति के खिलाफ सत्य शोधक समाज के माध्यम से महात्मा बुद्ध, सम्राट अशोक, महान संत कबीर, रैदास आदि की श्रमण परंपरा की नींव आधुनिक भारत के युग में रखकर उसे पुनर्जीवित किया। यही वजह है कि डॉ बाबा साहब अम्बेडकर ने उन्हें अपना गुरु माना है।

निष्कर्ष: जिस दिन महात्मा ज्योतिबा फूले का परिचय बहुजन समाज को हो जाएगा उस दिन obc/sc/st की सामाजिक राजनीतिक आर्थिक सत्ता को कोई नही रोक सकता इसलिए उनकी पुण्य तिथि 28 नवम्बर तक यह मैसेज निरन्तर वाइरल करते रहना चाहिए।

क्या आप जानते है

1. महात्मा ज्योति बा फूले ने स्व-अर्जित धन खर्च करके सामाजिक कार्य किया और जीवन भर अवैतनिक समाजसेवा की।
2. महात्मा ज्योति बा फूले शीर्ष उद्योगपति, व्यवसायी और प्रख्यात किसान भी थे और उनकी स्वयं की कंपनी थी।
3. महात्मा ज्योति बा फूले की कंपनी ने बांधों, नहरों, सुरंगों, पुलों, इमारतों, कपड़ा मिलों, महलों, सड़कों आदि का भव्य और सुंदर निर्माण किया था।
4. उनके द्वारा किए गए महत्वपूर्ण निर्माण कार्य कतरास सुरंग, यरवदा पुल और खडकबाला बांध है। इसके अलावा नगर निगम का मुख्य भवन, भायखला पुल और पर्ल की रेलवे कार्यशाला, मुंबई में कई कपड़ा मिलें, भंडार, बड़ौदा के सयाजीराव गायकवाड़ के लक्ष्मी विलास महल, आदि का निर्माण भी महात्मा फूले की कंपनी द्वारा किया गया था।

ऐतिहासिक धरोहरें

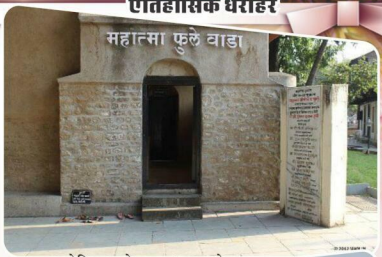

महात्मा ज्योति बा फूले जन्म स्थान, पूणे

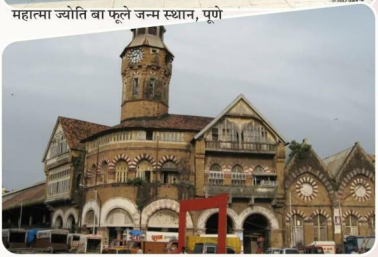

महात्मा ज्योति बा फूले मार्केट, मुबंई

महात्मा ज्योति बा फूले के सम्मान में किए गए प्रमुख कार्य : –

- भारत सरकार द्वारा 28 नवम्बर, 1977 को टिकिट जारी किया गया।
- महाराष्ट्र विधान सभा के प्रमुख द्वार पर प्रतिमा की स्थापना।
- महात्मा फूले कृषि विश्वविद्यालय की अहमदाबाद में स्थापना।
- महात्मा जी के निवास स्थान को राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया जाना
- महात्मा फूले के नाम से उत्तर प्रदेश में जिले का निर्माण।
- महात्मा फूले की आदमकद प्रतिमा लोकसभा में स्थापना।

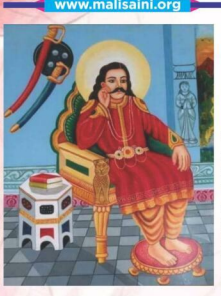

सैनी समाज वंश प्रवर्तक

महाराजा शूरसैनी

भारतभूमि महापुरूषों की भूमि रही है। यहां पर समय समय पर अवतारों ने जन्म लेकर मानव समाज का कल्याण किया है। भटके हुए मानव को सही मार्ग दिखाया है। पुरातत्व विभाग की खोजों से यह साबित हो चुका है कि भारत की सभ्यता विश्व की प्राचीनतम सभ्यता रही है। यहां की आर्य जाति ने ही विश्व को सभ्यता और संस्कृति का मार्ग दिखाया। रहन सहन, शासन व्यवस्था, सामाजिक संबंध पारिवारिक रिश्ते आदि सब कुछ आर्यों ने ही विश्व को सिखाया।

बहुत पुराना इतिहास है कि इस देशभूमि का। वंश में आदि मानव मनु हुए है और उनके वंशज एवं उत्तराधिकारी भरत, मानधाता, रघु, अज, दशरथ, राम, बुद्ध, अशोक आदि सम्राट हुए है। चंद्रवंश में महर्षि अत्रि व सोम, पुरूरवा, नहषु, ययाति, विश्वामित्र, भीष्म, कार्तवीर्य-अर्जुन, शूरसैनी, दुष्यंत, कृष्ण आदि सुप्रसिद्ध सम्राट हुए है। भारत का सम्पूर्ण प्राचीन इतिहास इन्हीं दो क्षत्रिय वंशों के इर्द गिर्द घूमता है। वेद पुराण कथा साहित्य इन्हीं की यश गाथाओं से भरे पड़े है। शूर सैनी क्षत्रिय वंश का उद्भाव और विकास चंद्रवंश के अंतर्गत हुआ है।

महर्षि ययाति के वंशज कार्तवीर्य-अर्जुन सहस्त्रबाहु हुए जो कि एक सुप्रसिद्ध चक्रवर्ती सम्राट हुए थे। वे अपने समय के महान योद्धा, न्याय प्रिय राजा, राजनीति के मर्मज्ञ, कुशल व्यवस्थापक, पराक्रमी एवं सत्यप्रिय थे। पुराणों में उनके सौ पुत्रों का उल्लेख है। एक स्थान से पुराणों में ऐसा उल्लेख है कि किसी बात से रूष्ट होकर ऋषि आपव ने सम्राट कार्तवीर्य- अर्जुन को श्राप दे दिया कि परशुराम के हाथों उनका वध होगा। इसी शाप के वशीभूत ऐसी स्थिति बनी कि महाराज कार्तवीर्य के पुत्रों ने महर्षि जन्मदग्नि की कामधेनु गाय का बछड़ा चुरा लिया। सम्राट कार्तवीर्य-अर्जुन को इस घटना की जानकारी नहीं थी। महर्षि जन्मदग्नि के पुत्र परशुराम को बछड़े के चोरी हो जाने का समाचार मिला तो वे आग बबूला हो गये और तुरंत सम्राट कार्तवीर्य के निवास पर पहुंचे। क्रोध के वशीभूत परशुराम ने सम्राट कार्तवीर्य की हत्या कर दी। और पूरे क्षत्रिय वंश को ही नष्ट करने के लिए निकल पड़े। सबसे पहले उसने सम्राट कार्तवीर्य के पुत्रों व पौत्रों का संहार किया। ऐसा उल्लेख है कि क्रोधी परशुराम ने 21 बार पृथ्वी को क्षत्रियों से विहीन कर दिया। लेकिन यह भी सत्य है कि पृथ्वी ने कभी क्षत्रियों से विहीन हुई है और न ही कभी होगी। परशुराम द्वारा किये गए संहार के दौरान किसी तरह कार्तवीर्य अर्जुन के पांच पुत्र जीवित बच गए। जिनके नाम थे शूरसैनी, शूर, धृष्ट, कृष्ण और जयध्वज। ये पांचों भाई बड़े यशस्वी, प्रतापी, पराक्रमी और धर्मात्मा थे। शूरसैनी इनमें सबसे अधिक पराक्रमी एवं यशस्वी थे। महाराजा शूरसैनी को ही सैनी वंश का संस्थापक माना गया है। राजा दशरथ के तीन रानियां कौशल्य, सुमित्रा एवं कैकेयी। कौशल्या से राम तथा सीतामय से लवकुश, सुमित्रा से लक्ष्मण एवं शत्रुघ्न तथा उर्मिला लक्ष्मीण से अंगद, चंद्रकेतु हुए। श्रुति कीर्ति शत्रुघ्न से सुबाहु, शूरसैनी हुए। सुन्दावती शूरसैनी से महाराजा शूर सैनी हुए, जिनसे सैनी वंश चला। शूरसैनी महाराज शूर सैनी हुए, जिनसें सैनी वंश चला।

शूरसैनी का जन्म भादवों मास शुक्ल पक्ष को पूर्णमासी के पूर्व पद नक्षत्र के प्रथम चरण में कुंभ राशि राशि लग्न में हुआ। मधुवर यमुना तट पर मधुरापुरा मथुरापुरी का निर्माण किया। मथुरा के बीच योजना चारों ओर के क्षेत्र को शत्रुघ्न ने अपने पुत्र शूरसैनी के नाम पर शूरसैनी देश की स्थापना कर मथुरा को राजधानी बनाया। कैकेयी से भारत, मांडवी भारत से तक्ष, पुष्कल हुए। वह अपने समय के शूरवीर पराक्रमी, धर्मात्मा व शास्त्रों के ज्ञाता थे। उस समय का कोई राजा उनकी समानता में नहीं ठहर सकता था। भारत का पूरा उत्तरी भाग, हिमालय से लेकर नर्मदा तक का विशाल भू भाग उस समय शूरसैन देश के नाम से जाना जाता था। जिसकी राजधानी शौरिपुर बटेश्वर थी, जो कि यमुना के तट पर विराजमान थी। इनमें नाम से ही शूरसैन देश व शूरसैनी वंश तथा शूरसैनी भाषा विख्यात है। त्रेता युग के आरंभ में द्वापर के अंत तक सैनी वंश का शासन चलता रहा।

शूरश्व शूरवीश्व, शूरसेनश्या चानद्याः।
शूरसेना इतिख्याना, वेशास्तेषां महात्मना।।

महाराज शूरसैनी उत्तम शासन व्यवस्था के लिए भारत के प्राचीन इतिहास में सुप्रसिद्ध हैं। वे राज्य संचित: आयकर को सुव्यवस्थित ढंग से व्यय करते थे। राज्य की आय उन्होंने चार भागों में विभक्त कर रखी थी। पहले भाग को सेना पर व्यय करते थे। दूसरे अंश से राजघराने का खर्च चलाते थे। तीसरे अंश से प्रजा के कल्याणकारी कार्य किये जाते थे। चौथे अंश से राज्य के आंतरिक प्रशासन सुचारू रूप से चलाया जाता था। उनकी गुप्तचर व्यवस्था बड़ी सुदृढ़ थी। चोर, डाकू, असामाजिक तत्व प्रजा को आतंकित नहीं कर सकते थे। किसी दूसरे राजा की यह हिम्मत नहीं हो सकती थी कि शूरसैनी राज्य की ओर आंख उठाकर देख सके।

बाहरी सुरक्षा के लिए मजबूत सेना, अंदरूनी व्यवस्था के लिए कुशल सुरक्षाकर्मी और राज्य की पूर्ण जानकारी रखने के लिए चुस्त दुरूस्त गुप्तचर विभाग की जानकारी राजा को होती थी। उनका न्याय बहुत पारदर्शी और निष्पक्ष था। सम्राट शूरसैनी स्वयं को प्रजा का रक्षक और सेवक समझते थे। वह बड़े पराक्रमी, कर्तव्यपरायण, विनयशील, व्यवहारकुशल, धर्मपरायण और महारथी थे। उनके राज्य में प्रजा सुखी व सम्पन्न थी। उनके परवर्ती राजाओं ने भी उनकी शासन पद्धति का अनुकरण किया। सम्राट शूरसैनी के शासनकाल में उनका राज्य आर्थिक, साहित्यिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और भौतिक रूप से सम्पन्न हुए। कृषि, व्यापार और शिल्प मुख्य व्यवसाय थे। राजा व प्रजा दोनों ही सुखी थे। शस्त्र और शास्त्र के प्रति राजा व प्रजा दोनों की आस्था थी। महाराजा शूरसैनी के शासनकाल में संस्कृत, प्राकृत व शौर सैनी भाषाएं प्रचलन में थी।

प्राकृत व शौर सैनी भाषा आम नागरिकों की भाषा थी। शासन कार्य के बहुधा कार्य इसी शौर सैनी भाषा में ही होते थे। कालांतर में पाली और हिन्दी प्रचलन में आई। अशोक कालीन शिलालेख अधिकतर शौर सैनी भाषा में मिलते है। हिन्दी भाषा के विकास में प्राकृत व शौर सैनी भाषा अपना विशिष्ट स्थान रखती है। हिन्दी भाषा के इतिहास में शौर सैनी व प्राकृत भाषा का उल्लेख है।

इन भाषाओं का परिष्कृत रूप ही आज सम्मानीय भाषा रही है। धर्म प्रचार के लिए देश विदेश में गये अशोक के पुत्र महेन्द्र और पुत्री संघ मित्रा ने इसी भाषा में अपना कार्य किया था।

हम यह निसंकोच कह सकते है कि शौर सैनी भाषा ने भारतीय साहित्य को समृद्ध बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है जो सदा स्मरणीय रहेगा।

एक परिचय विषम परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त कर समाज के सामने एक आदर्श दम्पति के रूप में मिसाल पेश करने वाले

डॉ. किशन माली - डॉ. कमला माली को मिली Ph.D की उपाधि

डॉ.किशन माली ने एक सामान्य परिवार मे जन्म लेकर अपने माता श्रीमति मीराँ माली व पिता श्री जगन्नाथ माली के आशीर्वाद से शिक्षा व समाज सेवा में अग्रणी रहे है।

आपको पेसिफिक विश्व विद्यालय, उदयपुर द्वारा 26 नवम्बर-2020 को Computer Science में "The Analysis and Implementation of Cloud Computing in Education" विषय पर डॉ. स्नेहलता कोठारी, लेक्चरर, विधाभवन पॉलिटेक्नीक कॉलेज, उदयपुर के निर्देशन में Ph.D उपाधि प्राप्त है। JRNVU, Udaipur Is M.Sc.- Computer Science, M.Com-Bus.Adminstration rFkk MLSU, Udaipur Is M.A. Sociology उत्तीर्ण किया 15 वर्षों तक R.N.T. मेडिकल कॉलेज, उदयपुर के अन्तर्गत सामाजिक चिकित्सा विज्ञान विभाग में वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (WHO) द्वारा संचालित प्रोजेक्ट में डेटा मेनेजर के पद पर कार्य किया।

आपके इंटरनेशनल जर्नल में-5, नेशनल जर्नल में-6 लेख प्रकाशित हुए है। आपने 8-नेशनल कॉफ्रेंस व 5-इंटरनेशनल कॉफ्रेंस, 12-वर्कशाप, 15-सेमीनार व 18-ट्रेनिंग में भाग लिया। वर्तमान में प्राइवेट हॉस्पीटल में कार्यालय अधीक्षक के पद पर कार्यरत है तथा एक प्राईवेट यूनिवर्सिटी के अन्तर्गत विभिन्न कॉलेजों की स्थापना के कार्य में एक कंसलटेंट के रुप में अपनी सेवाऐं दे रहे है।

आपकी धर्मपत्नी श्रीमति डॉ.कमला माली ने एक सामान्य परिवार मे जन्म लेकर अपने माता श्रीमती बसन्ती गढ़वाल व पिता श्री सोहनलाल गढ़वाल के आशीर्वाद से शिक्षा व समाज सेवा में अग्रणी रही है St. Gregorios Sr. Sec School से सेकण्डरी व सिनियर की शिक्षा स्कूल स्तर पर मेरिट स्थान पर प्राप्त की। Eng. Literature esa "An Analysis of the Major Social Concerns in the Selected Plays of Vijay Dhondopant Tendulkar विषय पर डॉ. जयश्री सिंह, प्रोफेसर एंड हैड, डिपार्टमेन्ट ऑफ इंगलिश, भूपाल नोबल्स यूनिवर्सिटी, उदयपुर के निर्देशन में शोध उपरान्त मोहनलाल सुखाड़िया युनिवर्सिटी, उदयपुर द्वारा 12 अप्रेल-2017 को Ph.D की उपाधि राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्रीमान कल्याण सिंह व केबिनेट मंत्री श्रीमती किरण माहेश्वरी के कर कमलों द्वारा प्रदान की गई। M.A. in Eng. Lit., M.A. in Geography, B.Ed- Eng., RS-CIT प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किया। 6 वर्षों तक सीबीएस स्कूल में Sr.Eng. Teacher (PGT) पद पर कार्य किया। दिसम्बर-2014 में RPSC द्वारा Sr.English Teacher-Gr.II पर चयन होने से शिक्षा विभाग में जोन किया तथा वर्तमान में कार्यरत हैं। आपके इंटरनेशनल जर्नल में 8-पेपर, नेशनलजर्नल में 10 पेपर प्रकाशित हुए हैं। आपने 12-नेशनल कॉफ्रेंस, 9-इंटरनेशनल कॉफ्रेंस, 15-वर्कशॉप, 9-सेमीनार तथा 18-ट्रेनिंग में भाग लिया व प्रमाण पत्र प्राप्त कियें, शिक्षा विभाग उदयपुर, जिला एवं ब्लाक स्तर पर 6 बार सेकण्डरी व सिनियर सेकण्डरी की परिक्षाओं में अंग्रेजी विषय में छात्र-छात्राओं के शत प्रतिशत परिणाम के लिये प्रशस्ती पत्र द्वारा सम्मानित किया गया।

डॉ.कमला इन उपलब्धियों का श्रेय प्रेरणादायी एवं सकारात्मक सोच वालें सास-ससुर तथा पिता-श्री सोहनलाल गढ़वाल व माता-श्रीमती बसन्ती गढ़वाल को देतीं है। आर्थिक स्थिति से अक्षम तथा विषम परिस्थितियों में रहतें हुए भी सीबीएस अंग्रेजी माध्यम के स्कूल से आपको शिक्षा पूरी कराई। पिता प्रोफेशन में स्वयं का डिपार्टमेंटल स्टोर संचालित करते है तथा 40-वर्षों से मादड़ी इंडस्ट्रीयल एरिया, उदयपुर की विभिन्न इंडस्ट्री में वाटर सप्लाई का कार्य भी करते है। आपका पुत्र ध्रुव सैनी कक्षा-10 में CBSE स्कूल में अध्ययरत है।

आप दोनो ने फूलमाली समाज, उदयपुर के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रीय पर्व कार्यक्रमों, स्वाधीनता दिवस, गणतंत्र दिवस, ज्योतिबाफूले जयंती, सावित्रीबाई फूले जयंति, चिकित्सा जांच शिविरों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद प्रतियोगिताओं तथा विभिन्न अवसरों पर आयोजित कार्यक्रमों के सफलतापूर्वक आयोजन में अपना सहयोग दिया।

आप दोनों ने समाज के गणमान्य, परिवारजनों, मित्रों तथा सहयोगियों को समय-समय पर मार्गदर्शन, सहयोग करने एवं प्रेरणा के लिए परिवार की ओर से बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया। माली सैनी संदेश परिवार आप दोनों की सफलता पर हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए आपके संघर्ष को सलाम करता है हमें आशा है कि आप अपनी शैक्षणिक योग्यता से समाज के सभी वर्गों विशेष कर युवा वर्ग को शिक्षा के क्षेत्र में उचित मागदर्शन देंगें। हम आपके उज्ज्वलतम भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित करते है।

अंतराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर विशेष :

दिव्यांग पूरण ने राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर 16 गोल्ड, 5 सिल्वर व 2 ब्रांज जीते, जयपुर में हुआ सम्मान

विभिन्न पुरस्कारों से मिलने वाले 19 लाख की स्कॉलरशिप के रूपऐ 2017 से आज तक नहीं मिले

पिता के कैंसर के बाद पढ़ाई छुटी तो खेतों में काम कर पढ़ाई पूरी की, 6 भाई बहनों की जिम्मेदारी भी उठाई

तिंवरी, जोधपुर। अंतराष्ट्रीय दिवस 3 दिसबंर को एक ऐसी छाञा से रूबरू करवा रहे है जिसने अपने हौसलें व सपनों के आगे कभी हिम्मत नहीं हारी। दिव्यांग होने के बावजूद एक साधारण व्यक्ति के मुकाबले उसने अपने दम पर ना केवल राज्य स्तर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर स्विमिंग व एथेलेटिक्स में गोल्ड मेडल हासिल किए।

तिंवरी के बिंजवाडिया गांव की दो बहनों को अंतराष्ट्रीय विकलांग दिवस के अवसर पर राज्य सरकार की ओर से विशेष सम्मान दिया गया। ये दोनों बहनें पूरण और निर्मला चौहान बीपीएल परिवार से है। दो वर्ष की उम्र से ही दाएं हाथ से पोलियों की वजह दिव्यांग होने का दंश झेलने के बाद भी पूरण ने कभी हिम्मत नहीं हारी। पूरण ने स्विमिंग में राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जितने के साथ ही एथलेटिक्स में राज्य स्तर पर भी गोल्ड मेडल जीता। अभी तक पूरण ने कुल 16 गोल्ड मेडल, 5 सिल्वर व 2 ब्रांज मेडल जीते है। उसकी बहन निर्मला ने पैरा सीटिंग वॉलीबाल में अंतराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने के साथ राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

साधारण परिवार से अपने दम पर नाम रोशन करने वाली दिव्यांग पूरण पुत्री रघुनाथराम ने स्विमिंग में राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर गोल्ड, सिल्वर, ब्रांज मेडल हासिल किए। लेकिन दुर्भाग्य से 2017 से लेकर आज तक अलग अलग मेडल स्कॉलरशिप के कुल 19 लाख रूपए पूरण को अभी तक नहीं मिले। इसको लेकर अनेकों जनप्रतिनिधि कई बार मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन व मुख्यमंत्री कार्यालय में पत्र पेश भेज बकाया राशि के शीघ्र भुगतान की मांग कर चुके है लेकिन ये राशि बकाया ही है। 3 दिसबंर को अंतराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर पूरण व उसकी बहन निर्मला को राज्य सरकार की ओर से सम्मानित किया गया।

पिता को कैंसर, खेतों में मजदूरी कर पढ़ाई पूरी की :

पूरण के पिता रघुनाथराम खेतों में मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे थे। पूरण के 5 बहनें व 1 भाई है। जिसमें उसके साथ एक और बहन भी विकलांग है। इस सबके बावजूद भी पिता सभी को पढ़ाते रहे। लेकिन पूरण जब 10वीं कक्षा में आई तो दुर्भाग्य से पिता को कैंसर की बीमारी हो गइ। सभी भाई बहिनों की पढ़ाई छूट गई। लेकिन पूरण ने हिम्मत नहीं हारी। खुद खेतों में मजदूरी कर अपने खर्च पर पढ़ाई की। उसने 12वीं में जिले की दिव्यांग की मैरिट में टॉप करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। जिसके बाद उसे गार्गी पुरस्कार व इंदिरा गांधी प्रियदर्शनी पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया। अब वह बीएड कर रही है साथ ही अपनी दूसरी बहनों व भाई की शिक्षा की ओर ध्यान देकर उन्हें भी पढ़ाई करवा रही है।

जिला छात्रावास को तरसता समाज

नरेश बगड़

गत वर्ष 12 अगस्त 2019 को हुई मीटिंग जिला मुख्यालय पर छात्रावास निर्माण के बाबत हाल ही गई 12 अगस्त 2020 को एक रिमांइडर पोस्ट लगाई थी एवं पुनः समाज के प्रबुद्धजनों के संज्ञान में उस विषय को उठाया, जिसे समाज के कुछेक छात्रावास का सपना संजोने वाले बुद्धिजीवियों ने अपने सुझाव एवं शिकायत दर्ज करवाई, जो ग्रुप में सभी के सामने मौजूद हैं। परन्तु पीड़ा इस बात की होती है कुछ संजीदा लोग इस विषय पर अपने विचार प्रकट नही करते हैं।'

जब मैं सीकर में बीएसटीसी कर रहा था तब सैनी छात्रावास नवलगढ़ में करीबन 20 दिन रूका था। उस समय समाज के छात्रावास की अहमियत समझ आई तथा समाज के सामाजिक सरोकार से जुड़ने की प्रेरणा बलवती हुई। तब से मेरे भी सपनों मे 'जिला मुख्यालय पर छात्रावास हो अपना' घूमने लगा।

जब मै ज्योतिबा फूले विचार मंच, बगड़ से जुड़ा तब काफी बार छात्रावास के लिए चर्चा हुए, मैंने विशेष रूचि एवं आत्मीयता के भाव से भाग लिया तथा उसके लिए जिला मुख्यालय पर हुई बैठकों में सक्रिय सदस्य के रूप में उपस्तिथि दर्ज करवाई, बैठकों की सोशल मीडिया ग्रुप में रिपोर्ट तैयार की। अब पीड़ा यह होती है कि 'समाज के राजनीतिक प्रतिष्ठित लोग अपनी इस मसले पर क्यों चुपी बनाये रखते हैं?'

जिले अपने ही समाज के 'दो बड़े सामाजिक संगठन है उनसे जुड़े पदाधिकारी एवं वरिष्ठ सदस्य या तो मौन रहते हैं या मन से साथ नही होते हैं जिसकी परिणति ये हो रही है कि समाज जिला मुख्यालय पर छात्रावास को तरस रहा हैं।'

अचम्भे की बात तो ये है कि जिले की चार विधानसभा क्षेत्रों में सैनी बाहुल्य होने के बाद भी कोई सैनी विधायक नही बन पाता हैं जो समाज की एकजुटता को प्रश्नचिन्ह करता है तथा वो ही कारण जिला मुख्यालय पर छात्रावास निर्माण में उदासीनता दिखलाता हैं। पिछली बार हुई मीटिंग में जमीन का मसला तीन दिन में निस्तारित करने की बात हुई परन्तु हमेशा की तरह ढाक के तीन पांत रहें। 'क्या ऐसी ही आने वाली पीढ़ी अपने समाज के आंका को कौसती रहेगी?' कि जिला मुख्यालय पर एक छात्रावास का निर्माण नही कर सकें।

'कौन कहता है कि आसमां में सुराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबीयत से उछली यारों...!'

शायद समाज के सोने वाले हुक्मरानो जमीर को जिंदा करने के लिए युवाओं को इंकलाब दिखाना होगा' परन्तु हमने बड़े-बुर्जो से सुना है युवाओं का जोश तभी परवान पर चढ़ता है जब बुजुर्गो एवं बुद्धिजीवियों का मार्गदर्शन हो।'

मेरे गांव के बुजुर्गो से सुना है भाई हमने माली का राज तो देख लिया अपनी उम्र में, अब तो बस जिला मुख्यालय पर समाज का छात्रावास और देख ले हमारा जन्म सफल हो जायेगा। उनके इस भावनात्मक बात पर निशब्द हो जाता हूँ।

'मैं समाज के राजनैतिक आकाओं से अपेक्षा करता हूँ कि आगे आये और निस्वार्थ भाव एवं तन-मन-धन से जिला स्तर के मौजीज लोगों की टीम तैयार करें और छात्रावास के निर्माण के लिए आवश्यक रूपरेखा तैयार करें।'

एक शेर के साथ अपनी बात समाप्त करूंगा कि समाज के हुक्मरान यही सोच कर पहल करें–

'मैं अकेला ही चला था जानिब-ए-मंजिल मगर,
लोग साथ आते गए और कारवाँ बनता गया'

युवा आशीष ने 40 मिनट में बांधे 65 साफे

बीकानेर। बीकानेर के युवा आशीष सांखला ने साथी शिव गहलोत के सिर पर 65 साफों की पगड़ी बांधकर विश्व की सबसे बड़ी पगड़ी बांधने का दावा किया है। सांखला ने बताया कि पगड़ी 1844 मीटर लंबी है और इसका वजन 19 किलो है। पगड़ी रानी बाजार स्थित पंचमुखा में बांधी गई।

हिन्दु युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष सेवाराम तंवर ने बताया कि सांखला का उद्देश्य संस्कृति के महत्व को समझाना है तथा वे निःशुल्क पगड़ी बांधना भी सिखाते है। युवा आशीष सांखला को हार्दिक बधाई एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए अभिनंदन।

सुनीता सैनी बनी भाजपा चौमूं महिला मोर्चा अध्यक्ष

चौमूं। भारतीय जनता पार्टी जयपुर जिला देहात (उत्तर) जिलाध्यक्ष एवं विधायक रामलाल शर्मा के निर्देशानुसार भाजपा चौमूं नगर मण्डल अध्यक्ष गजानंद कुमावत ने वार्ड नंबर 45 चौमूं निवासी सुनीता सैनी पत्नी विक्रम सैनी को पार्टी का चौमूं महिला मोर्चा अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है। सुनीता सैनी ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए पार्टी को मजबूती प्रदान करने के लिए हम निरंतर प्रयास करेंगे और जन-जन तक भाजपा पार्टी की रीति-नीति को पहुंचाने का काम करेंगे।

संतोष सांखला 9252067133 9414359805

नेमीचंद सांखला 9529551444

आ. पी. तंवर 9414117306

तंवर मार्बल

मूर्ति एण्ड हैण्डीक्राफ्ट

हमारे यहां मार्बल स्लैब, टाईल्स, मंदिर मूर्ति, जाली, पालकी, मार्बल फ्लॉवर व हैण्डीक्राफ्ट आदि का कार्य किया जाता है।

Marble Art (Android Apps on Gooble Play Store)

E-Mail : marbletanwar@gmail.com

शोरूम : सैनी कॉम्प्लैक्स, 1 फ्लोर, शॉप नं. 40, रेल्वे स्टेशन के पास, मकराना (राज.)

माली सैनी संदेश के आजीवन सदस्यता सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापूराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासुदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनमं सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री भेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश कावली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री धीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकुमार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बाँजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानाराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री भेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तूर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री करतूरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारतराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री बजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाह, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, व्यावर
श्री झुमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानियां
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नैनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकाराराम कच्छवाह, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरवा
श्री भीकाराम खेतारम देवड़ा, कुड़ी फार्म, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिंवरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,
श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाह, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर
श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर
सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां

समाज से बिहार विधानसभा 2020 के चुनाव में जीत कर आने वाले विधायकों की सूची

1. रक्सौल	-	प्रमोद कुमार सिन्हा (भाजपा)
2. प्राणपुर	-	निशा सिंह 9भाजपा)
3. हरलाखी	-	सुधांशु शेखर (जेडीयू)
4. बिहारीगंज	-	निरंजन कुमार मेहता (जेडीयू)
5. जीरादेई	-	अमरजीत कुशवाहा (माले)
6. उजियारपुर	-	आलोक कुमार मेहता (राजद)
7. हथुआ	-	राजेश कुमार सिंह (राजद)
8. अमरपुर	-	जयंत राज (जेडीयू)
9. चेरिया बरियारपुर	-	राजवंशी महतो (राजद)
10. बिहार शरीफ	-	डॉ सुनील कुमार (भाजपा)
11. डेहरी	-	फतेह बहादुर (राजद)
12. अरवल	-	महानंद प्रसाद (माले)
13. काराकाट	-	अरुण सिंह (CPIML)
14. कुर्था	-	बागी कुमार वर्मा (राजद)
15. तारापुर	-	मेवालाल चौधरी (जेडीयू)
16. डुमरांव	-	अजित कुमार सिंह (माले)
17. विभूतिपुर	-	अजय कुमार (सी.पी.एम.)

सभी विजयी विधायकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। साथ ही बाल्मीकी नगर संसदीय क्षेत्र में हुए उप चुनाव में **सुनील कुमार कुशवाहा को सांसद बनने पर माली सैनी संदेश पत्रिका परिवार की और से हार्दिक बधाई ।**

श्रीमती अंजू(पं.समिति सदस्य), सुपुत्री श्री ढ़लाराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल (ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटुराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पूनाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, जोधपुर
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबूलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मयंक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,
श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल पुत्र श्री चेनाराम टाक, बुंचकला, पीपाड़
श्री चांदरतन पुत्र श्री माणकचंद सांखला, बीकानेर
श्री कमलेश पुत्र श्री मुल्तान सिंह कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री सहीराम पुत्र श्री हिन्दुराम गहलोत, पीपाड़ शहर
श्री मनमोहन पुत्र श्री मनोहर सिंह सांखला, जोधपुर
श्रीमती कमला धर्मपत्नी श्री रमेशचंद्र माली, जोधपुर
श्री दशरथ पुत्र श्री विशन सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राजकुमार पुत्र श्री रतनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री मेवाराम पुत्र स्व. श्री नारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री हरीराम सोलंकी, जोधपुर
डॉ. हिरालाल पुत्र श्री मादुराम पंवार, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री किशनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री धरमाराम भाटी, अध्यक्ष क्षत्रिय माली समाज माधपुर (तमिलनाडु)
श्री राहुल भाटी सुपुत्र श्री जितेन्द्रसिंह भाटी, जोधपुर
श्री किसनाराम देवड़ा, श्री जी एन्टरप्राइजेज, जोधपुर
श्री(इंजि.)तेजप्रताप पुत्र श्री मंगलसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अभय सिंह पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री आनंदसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री नेपाराम देवड़ा, बालरंवा, तिंवरी
श्री अमृत सांखला, फ्यूचर प्लस क्लासेज, जोधपुर
श्री चेतन देवड़ा पुत्र स्व. श्री मानसिंह देवड़ा, जोधपुर
श्री अरविंद गहलोत (पार्षद) पुत्र श्री मांगलाल गहलोत, जोधपुर
सीए श्री अर्जुन पुत्र श्री कांतिलाल परिहार, बाली, पाली
श्री पप्पुराम पुत्र श्री रामचंद्र गहलोत, चौखा, जोधपुर
डॉ. श्री महेन्द्र भाटी 'त्रिकाल', रायपुर, पाली
श्री रोहित पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री रामेश्वर सिंह पुत्र स्व. लाल सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जगन्नाथ सिंह पुत्र श्री मेघसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हुक्माराम भाटी पुत्र श्री सुखदेवराम भाटी, जोधपुर
श्री श्याम लाल पुत्र श्री बुद्वाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री रामकिशन माली, करौली
श्री चेतन सिंह पुत्र श्री संतोकसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री लुंबाराम देवड़ा, जगदम्बा पब्लिक स्कूल, जोधपुर
श्री विकास कच्छवाहा पुत्र श्री नरेन्द्रसिंह, जोधपुर
श्री कानाराम सांखला, कानजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री कुशाल राम सांखला, रामजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री मुकेश टाक पुत्र श्री हरीसिंह टाक, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र श्री आनंदप्रकाश गहलोत, जोधपुर
श्री आनंदसिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जयंत सांखला,आर.एस.एम.विद्याश्रम, जोधपुर
श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री मोहनलाल कच्छावा, अजमेर
श्री ताराचंद पुत्र श्री मोतीलाल सांखला, मथानियां
डॉ. कमल सैनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश
श्री ओमप्रकाश सैनी पुत्र श्री गणपत जी लाडनूं
डॉ प्रवीण पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राकेश पुत्र श्री छतरसिंह गहलोत, जोधपुर
डॉ. भीमपाल पुत्र श्री बुधाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धमेन्द्र कच्छवाहा,भीलवाड़ा
श्री गोविंद पुत्र श्री भगवानसिंह परिहार, जोधपुर
श्री शरद टाक, जोधपुर

माली सैनी सन्देश

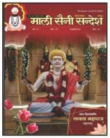

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक _____

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियां आपको विगत 15 वर्षों से हर माह पहुचाकर समाज के विभिन्न वर्गों में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यों की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यही नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब–साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई–पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गों की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें फे–टी.एम. से मोबाईल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रू. 600/- | **5 वर्ष रू. 1,500/-** | **आजीवन रू. 3,100/-**

नाम/संस्था का नाम _____

पता _____

फोन /मोबाईल _____ ई–मेल _____

ग्राम _____ पोस्ट _____ तहसील _____

जिला _____ पिनकोड _____

राशि (रूपये) _____ बैंक का नाम _____

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक _____ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक _____

हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखें : – प्रसार प्रभारी

3, जवरी भवन, भैरुबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज.)

Mobile : 94144 75464 Visit us at : www.malisainisandesh.com
www.malisaini.org. E-mail :malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

ही क्यों ?

क्योंकि ?

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार

क्योंकि ?

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रिएटिव टीम के साथ यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे देश ही नहीं विदेशों में भी

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-

INNER COLOR

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

Cell : 94144 75464

log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरुबाग मंदिर के सामने, महावीर कॉम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज.)

महात्मा फूले की 130वीं पूण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रमों की झलकियां

हार्दिक अभिनन्दन

श्री विष्णु कुमार सैनी
नगर पालिका, चौमूं

श्रीमती रामूदेवी माली
नगर पालिका, पीपाड़ शहर

श्रीमती सुमिता सैनी
नगर पालिका, बिराट नगर

श्री बंशीधर सैनी
नगर पालिका, शाहपुरा

इसके साथ ही नगर पालिका डींग, भरतपुर से निरंजन सैनी को निर्विरोध अध्यक्ष, रामगंजमंडी कोटा से देवीलाल सैनी को नगर पालिका अध्यक्ष, तिजारा नगर पालिका से झब्बू राम सैनी को अध्यक्ष एवं कोटपूतली से श्रीमति पुष्पा सैनी को नगरपालिका अध्यक्ष बननें पर माली सैनी संदेश परिवार की ओर से

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हार्दिक आभार अभिनंदन

शिक्षाविद भामाशाह आदरणीय निर्मल गहलोत (निदेशक, उत्कर्ष क्लासेज जोधपुर) द्वारा माली सैनी छात्रावास, पीपाड़ के निर्माण हेतु रूपए 5 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की। समाज आपके द्वारा शिक्षा के पुनीत सेवा कार्य में किए गए बहुमूल्य सहयोग के लिए आभार प्रकट करता हैं।

निर्मल गहलोत द्वारा एक और अनुपम सौगात 60 विद्यार्थियों को निःशुल्क ऑनलाईन कोर्स उपलब्ध कराया :-

आपने पूर्व में भी हजारो स्टूडेंटस को निःशुल्क कोर्स दिया है आप शिक्षा को व्यवसाय नहीं सेवा मान सर्व समाज की सेवा का जो कार्य कर रहे है उसके लिए आपका बारम्बार आभार अभिनंदन।

तारीफ करूं क्या उसकी जिसने तुम्हें बनाया...मथानिया कस्बे के 60 विद्यार्थियों को दिया निः शुल्क प्रवेश... आज एक बार फिर उत्कर्ष के निदेशक माननीय निर्मल गहलोत ने दिल जीत लिया। आज उनके आभार के लिए शब्द ही मुझे नहीं मिल रहे हैं । एक छोटे से आग्रह पर एक साथ 60 विद्यार्थियों का निःशुल्क ऑनलाइन प्रवेश देकर आपने जो परोपकार का कार्य किया है उसके लिए आपका बहुत–बहुत आभार, वंदन...

मथानिया कस्बे के 16 गांव के विद्यार्थी कोरोना से पहले एक साथ अध्ययन करते थे। एक सामाजिक संस्था के द्वारा उनका अध्यापन करवाया जा रहा था लेकिन कोरोना के कारण सोशल डिस्टेंसिंग रखना बहुत जरूरी हो गया इस कारण यह विद्यार्थी पिछले सात–आठ माह से अध्ययन से दूर थे और परीक्षा एकदम सिर के ऊपर आ गई, टेस्ट सीरीज के माध्यम से वे अपना मूल्यांकन करना चाह रहे थे लेकिन कैसे करें किसको अपनी कॉपी को जांचने का काम दे। यह एक बड़ी चुनौती थी लेकिन निर्मल गहलोत ने तुरंत इस आग्रह की गंभीरता को समझा और एन्टीपीसी की तैयारी कर रहे इन 60 विद्यार्थियों की तुरंत ही निःशुल्क ऑनलाइन प्रवेश देकर इनके, परिवार जन तथा समाज के सपने पूरे करने का जो अवसर उपलब्ध करवाया इसके लिए आपका बहुत–बहुत आभार...

मुझे पूरा विश्वास है कि यह विद्यार्थी इस निःशुल्क सुविधा का लाभ उठाएंगे और अपने सपनों को साकार करेंगे । एक बार पुनः आदरणीय शिक्षाविद्, भामाशाह निर्मल गहलोत का हृदय से आभार अभिनंदन ।

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस
सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR